

महिला शक्ति को संगठन की ताकत बनाकर घर-घर पहुंचाएंगे सेवा और सुशासन का संदेश : नायब सैनी



पेज-8

खबरें छपाते हैं छुपाते नहीं
दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ।
www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी

बातें

मुख्यमंत्री सुखबू ने मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर शोक व्यक्त किया

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुखबू ने पूर्व मंत्री मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मेजर विजय सिंह सिंह मनकोटिया का आज प्रातः कांगड़ा जिले स्थित उनके पैतृक गांव त्यारा में निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेजर विजय सिंह मनकोटिया ने प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विशेष रूप से कांगड़ा जिले के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण और लोगों की सेवा के लिए मेजर विजय सिंह मनकोटिया द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने शोक-संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करने की कामना की।

मेजर विजय सिंह मनकोटिया वर्ष 1982, 1985, 1990, 1993 और 2003 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उन्होंने वर्ष 1995 से 1998 तक तथा मार्च 2003 से जुलाई 2004 तक पर्यटन, नागरिक उड्डयन एवं विधि मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

उर्वशी रौतेला की तस्वीरों और वीडियो के इस्तेमाल पर बवाल, टीम की 7,000 करोड़ रुपए हर्जाना मांगने की 'तैयारी'

मुंबई । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने जहां कंटेंट बनाने और एंटरटेनमेंट की दुनिया को काफ़ी आसान बनाया है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल को लेकर लगातार सवाल भी उठ रहे हैं। खासकर सेलिब्रिटीज की तस्वीरों, वीडियो और आवाज को बिना अनुमति इस्तेमाल किए जाने के मामले अब चर्चा में आने लगे हैं। इसी कड़ी में एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की टीम ने लॉस एंजिल्स की एक एआई कंपनी पर उनकी पहचान और कंटेंट का कथित तौर पर बिना अनुमति इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उर्वशी की टीम का कहना है कि कंपनी ने एक्ट्रेस के नाम, तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल किया और अब इस मामले में कानूनी रास्ता अपनाया जा रहा है। मामले में हजनि की रकम का आकलन फिलहाल 7,000 करोड़ किया जा रहा है। हालांकि, कंपनी का नाम सार्वजनिक बयान में नहीं बताया गया है। उर्वशी की टीम ने आईएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में कहा, "उनके बिजनेस ने कथित तौर पर उर्वशी के नाम, तस्वीरों और वीडियो का बिना अनुमति इस्तेमाल करके अरबों डॉलर की वैल्यू हासिल की है। हम उचित कानूनी तरीका अपना रहे हैं, जिसमें लॉस एंजिल्स स्थित कंपनी के खिलाफ 7,000 करोड़ रुपए के हर्जाने का आकलन भी शामिल है। अपनी एआई कंपनी बनाएँ, अपना ब्रांड बनाएँ, लेकिन जब तक आपके पास अनुमति न हो, अपने बिजनेस में उर्वशी के नाम का इस्तेमाल न करें।''

4,000 KM का सफर, 117 विधानसभा सीटें... अब जालंधर में अमित शाह करेंगे यात्रा का समापन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (BJP) की ओर से 18 सितंबर को शुरू की गई 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' का अंत बुधवार को जालंधर में होगा और समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे। भाजपा के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी और कहा कि शाह परागपुर गांव में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

'भाजपा का नारा, नशा खत्म करना है सारा' के नारे के साथ शुरू की गई 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के प्रभारी राजेश बाघा ने मंगलवार को बताया कि पठानकोट, फतेहगढ़ साहिब, तलवंडी साबो और फाजिल्का से शुरू हुई चार यात्राओं ने पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया है और 4,000 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए मंगलवार को जालंधर पहुंची है।

बाघा ने कहा कि समापन पर आयोजित जनसभा के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं, जिसमें शाह शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह पंजाब में भाजपा के इतिहास की सबसे बड़ी रैली होगी। रैली स्थल पर 23 सितंबर को 'हवन' के साथ तैयारियां औपचारिक रूप से शुरू की गई थीं। अब वे पूरी हो चुकी हैं। यह रैली जालंधर शहर के बाहरी इलाके में अमृतसर-दिल्ली हाईवे पर स्थित परागपुर गांव में आयोजित की जाएगी।

बाघा के अनुसार, रैली के लिए 60 एकड़ जमीन पर इंतजाम किए गए हैं। लगभग 45 एकड़ में एक 'पंडाल' लगाया गया है, जबकि 15 एकड़ जमीन पार्किंग के लिए आरक्षित की गई है। पंजाब के अलग-अलग हिस्सों से 'नशा-मुक्त पंजाब यात्रा' में शामिल होने वाले पार्टी कार्यकर्ता रैली में हिस्सा लेंगे। बड़ी संख्या में लोगों के जुटने के मद्देनजर 2,000 से अधिक बसों का इंतजाम किया गया है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तेज, गांधी जयंती पर CJP का ‘जेल भरो आंदोलन’; जंतर-मंतर पर नहीं मिली मंजूरी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दलों का विरोध अभियान तेज होता नजर आ रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर 2 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन को अवरुध्द दिल्ली पुलिस की मंजूरी नहीं मिली है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वहीं, कॉंग्रेस जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजात दीपके ने मुंबई में इसी दिन 'जेल भरो आंदोलन' करने का ऐलान किया है।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी, अनुमति का इंतजार
ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दल लगातार निर्वाचन आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को लोगों से 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर पहुंचना यात्रा में शामिल होने वाले पार्टी कार्यकर्ता रैली में हिस्सा लेंगे। बड़ी संख्या में लोगों के जुटने के मद्देनजर 2,000 से अधिक बसों का इंतजाम किया गया है।

संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

एशियन गेम्स: भारतीय पुरुषों ने 4x400 मीटर रिले में जीता ब्रॉन्ज, कुल 24 मेडल के साथ एथलेटिक्स में अभियान समाप्त

नागोया। भारत ने मंगलवार को पुरुषों

की 4x400 मीटर रिले में ब्रॉन्ज मेडल के साथ 'एशियन गेम्स 2026' में अपने एथलेटिक्स अभियान का समापन किया। मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में धर्मवीर चौधरी, मनु थीक्किनिल, जय कुमार और विशाल थनारसु की भारतीय चौकड़ी ने 3:01.61 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। जापान ने 3:00.75 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि कतर ने 3:00.93 के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत चौथिन टीम से 0.86 सेकंड पीछे रहा। फाइनल में धर्मवीर ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और मनु को बैटन सौंपी, तब तक टीम मेडल की दौड़ में मजबूती से बनी हुई थी। दूसरे लेग के दौरान मनु को भीड़ का सामना करना पड़ा और उन्हें ट्रैक पर अपनी जगह बनाने के लिए घूमना पड़ा, जिससे जब जय कुमार ने दौड़ संभाली तो भारत चौथे स्थान पर था।



जय ने जबरदस्त वापसी करते हुए भारत को मेडल की स्थिति में पहुंचाया और कुछ समय के लिए टीम को जापान के बाद दूसरे स्थान पर ले आए। हालांकि, आखिरी

एक्सचेंज के दौरान भारतीय टीम फिर से चौथे स्थान पर खिसक गई। इसके बाद विशाल ने आखिरी लेग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतर कम किया और भारत को

हिमाचल के छः सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान ओलंपिक संग्रहालय का दौरा किया



हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री यादविन्द गामा के नेतृत्व में प्रदेश के छः सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों के संदर्भ में जापान की अध्ययन एवं अनुभव यात्रा के दौरान टोक्यो स्थित जापान ओलंपिक संग्रहालय का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल में उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पटवर्धिया, विधायक कमलेश ठाकुर व विवेक शर्मा, सचिव प्रियंका बासु इंटी और युवा, सेवाएं एवं खेल विभाग के निदेशक शिवम प्रताप सिंह शामिल रहे।

यह दौरा 20वें एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 से संबंधित हिमाचल प्रदेश के व्यापक अध्ययन एवं अनुभव कार्यक्रम का हिस्सा है। आइची-नागोया में आयोजित

हो रहे 20वें एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें एशिया के विभिन्न देशों के खिलाड़ी एवं प्रतिनिधिमंडल भाग ले रहे हैं।

राहुल गांधी बोले- चुनावों में हो रही 'मैच फिक्सिंग', कांग्रेस को विरोध और प्रतिरोध जारी रखना चाहिए

नई दिल्ली: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में कहा कि देश में चुनावों में ईवीएम और मतदाता सूची से जुड़ी 'मैच फिक्सिंग' हो रही है, जिसके खिलाफ पार्टी को संसद से लेकर सड़क तक विरोध के साथ-साथ प्रतिरोध के रास्ते से पीछे नहीं हटना चाहिए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई कांग्रेस कार्य समिति की करीब ढाई घंटे चली बैठक में गांधी ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग से जुड़े खुलासे अब सामने आ रहे हैं, क्योंकि पार्टी ने इन मुद्दों को उठाया है।

सूत्रों के मुताबिक, गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने 'वोट चोरी' के मुद्दे को मजबूती से उठाया है। हरियाणा, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र में चुनावों में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया, लेकिन शुरू में कई लोग इसे लेकर संदेह में थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि अब यह मुद्दा मीडिया और संपादकीयों में चर्चा का विषय बन गया है। उनके हवाले से सूत्रों ने कहा कि इसलिए पिछले दो वर्षों में माहौल वास्तव में बदला है, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि तथ्यों पर आधारित प्रस्तुतियां की गईं।

सीमा पार से तस्करी के लिए अमरूदों के बाग का इस्तेमाल कर रहे तीन आरोपी 2 एके राइफलों और 10 किलो हेरोइन समेत गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अमृतसर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भागवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए शुरू की गई मुहिम के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक महिला, उसके पिता और भाई समेत तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार करके नाजायज हथियारों और नशीले पदार्थों की स्प्लॉइ करने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

पुलिस टीमों ने इन आरोपियों के कब्जे में से 10.030 किलो हेरोइन, दो आधुनिक असॉल्ट राइफ़्लें—जिनमें एक एके-47 और एक एके-56 शामिल हैं—समेत तीन मैनजिन और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए

हैं।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान संदीप सिंह (32) और उसकी पत्नी कमलजीत कौर (31), दोनों निवासी गांव बराड़, अमृतसर ग्रामीण तथा कमलजीत के

भाई बिक्रमजीत सिंह (23), निवासी गांव चुमानपुरा, अमृतसर ग्रामीण के तौर पर हुई है। आरोपी संदीप सिंह पहले भी अपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है और उसके खिलाफ आम्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट



उसका उपयोग संबंधित अस्पताल में चिकित्सकों व स्टाफ के स्पेशल इन्सैटिव, अस्पताल के अपग्रेडेशन, स्वच्छता कार्यों, आयुष्मान मित्रों को प्रोत्साहन आदि में खर्च किया जाएगा। इस संबंध में प्रस्तुत किए गए स्वास्थ्य विभाग के प्रस्ताव का सरकार द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है।

डायबिटिक रैटिनोपैथी का होगा निःशुल्क इलाज:

उन्होंने नशे के शिकार लोगों के पुनर्वास, पुनर्वास के बाद उनके हुनर विकास (कौशल प्रशिक्षण) और रोजगार के सही अवसर मुहैया कराने में केंद्र से मदद मांगी, ताकि वे नया जीवन शुरू कर सकें।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा के साथ बैठक में राज्यपाल ने मेडिकल कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट (PG) की 36 अतिरिक्त सीटों की मांग रखी। साथ ही, उन्होंने 'चंडीगढ़ रीजनल मेडिकल हब' परियोजना को पूरी तरह सरकारी खर्च पर विकसित करने के लिए 2,000 करोड़ की आर्थिक मदद का अनुरोध किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी से

शब्द गुरु की मर्यादा और पवित्रता कायम रखना हमारा मूल कर्तव्य: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नानकसर संप्रदाय के प्रमुख बाबा लक्खा सिंह जी ने आज चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की और ऐतिहासिक ‘जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान (संशोधन) अधिनियम, 2026’ पारित करने के लिए पंजाब सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कानून सिख समुदाय के आहत हृदयों पर महम लगाएगा और बेअदबी की घटनाओं को रोकने में मददगार साबित होगा। बाबा लक्खा सिंह जी ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को गुरु घर की बख्शिश के रूप में सिरোपा भेंट कर आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शब्द गुरु, साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सम्मान, पवित्रता और मर्यादा को कायम रखना उनकी सरकार का मूल कर्तव्य है और वह इस सेवा को वाहेगुरु द्वारा सौंपी गई बख्शिश के रूप में

इस दौरान नानकसर संप्रदाय के प्रमुख बाबा लक्खा सिंह जी ने कहा, “जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान (संशोधन) अधिनियम, 2026 का पारित होना बेहद महत्वपूर्ण और मिसाल कायम करने वाला कदम है। इसने बेअदबी की बार-बार होने



वाली घटनाओं के कारण समूचे सिख समुदाय के आहत हृदयों पर महम लगाया है। यह कानून श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सम्मान और पवित्रता की रक्षा के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।”उन्होंने कहा, “सरकार ने बेअदबी की घटनाओं के विरुद्ध कानून को मजबूत करके महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऐसा कानून ‘शब्द गुरु’ की मर्यादा को कायम रखने और ऐसी घटनाओं से सख्ती से निपटने में मददगार साबित होगा, जिससे सिख समुदाय का विश्वास और मजबूत होगा।” बाबा लक्खा सिंह जी ने मुख्यमंत्री भागवंत सिंह मान को समूची मानवता और विशेष रूप से सिख पंथ की सेवा के लिए सम्मान स्वरूप सिरোपा भेंट किया।

पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की विकास के अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली- पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज नई दिल्ली में माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ सिलसिलेवार बैठक की। इन बैठकों में उन्होंने पंजाब और चंडीगढ़ के विकास और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें नशा मुक्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बाढ़ प्रबंधन और सांस्कृतिक विकास शामिल हैं।

श्री कटारिया ने भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें दिसंबर में पंजाब के फाजिल्का जिले में असाफवाला वॉर मेमोरियल (युद्ध स्मारक) पर होने वाले विजय दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इससे पहले, श्री कटारिया ने उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन से भेंट की। इस दौरान पंजाब यूनिवर्सिटी को देश की नंबर एक यूनिवर्सिटी बनाने और वहां एआई (AI) सेंटर स्थापित करने के लक्ष्य पर चर्चा हुई, जिसका भरोसा उपराष्ट्रपति ने अपनी हालिया चंडीगढ़ यात्रा के दौरान दिया था।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान श्री कटारिया ने चंडीगढ़ को नशा-मुक्त बनाने के कदमों पर विचार-विमर्श किया।



मुलाकात में श्री कटारिया ने 'पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज' (PEC) को पश्चिम बंगाल के 'बंगाल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, शिबपुर' की तर्ज पर पूरी तरह से केंद्र पोषित संस्थान (CFTI) बनाने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने यूजीसी (UGC) नियम 2018 के तहत वर्तमान में डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त इस कॉलेज के लिए कुलपति (वाइस चांसलर) नियुक्त करने की भी अपील की।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, श्री सी. आर. पाटिल के साथ बैठक में राज्यपाल ने रावी नदी की बाढ़ से अमृतसर, गुरदासपुर और पठानकोट के सीमावर्ती इलाकों में हुए भारी नुकसान का मुद्दा उठाया। उन्होंने बार-बार आने वाली बाढ़ से बचाव और इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए एक लंबी अवधि की योजना तैयार करने की मांग रखी। श्री कटारिया ने केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री, श्री गजेंद्र सिंह शेखावत का भी आभार जताया, जिन्होंने खरड़ में 'अज सरोवर' के लिए 93 करोड़ और चंडीगढ़ के सेक्टर-19 स्थित ले कोर्सियु कैंद्र में 'डिजिटल म्यूजियम' बनाने के लिए लगभग 19 करोड़ मंजू्र किए हैं।

सिक्चूरिटी गार्ड एवं सुपरवाइजर के 180 पदों के लिए साक्षात्कार 3 अक्टूबर से शुरू

धर्मशाला: सिस इंडिया लिमिटेड हमीरपुर ने पुरुषों के लिए सिक्चूरिटी गार्ड एवं सुपरवाइजर के 180 पद भरने जा रहा है। इसके लिए साक्षात्कार 03 अक्टूबर 2026 को एस डी एम ऑफिस कैपस, शाहपुर, 05 अक्टूबर को उप रोजगार कार्यालय, जलाली, 06 अक्टूबर को उप रोजगार कार्यालय, नगरोटा बगानों, 07 अक्टूबर को नूरपुर, 08 अक्टूबर को इन्दौर और 09 अक्टूबर को पलमपुर में प्रातः 11 बजे से लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी, कांगड़ा अक्षय कुमार ने बताया कि 19 से 40 वर्ष की आयु के बीच दसवीं उत्तीर्ण व इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले अर्थर्थी इन पदों के लिए पात्र होंगे, जिन्हें 18500 से 24000 रूपये प्रति माह वेतन व अन्य सुविधाएं कंपनी के नियमानुसार दी जाएंगी। इच्छुक अर्थर्थी अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, हिमाचली प्रमाणपत्र, मूल प्रमाण पत्र व बायोमेट्रा की कॉपी और अनुभव प्रमाण-पत्र साथ लेकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा, आवेदक साक्षात्कार में भाग लेने से पहले https://ccmis.hp.nic.in पर अपनी ई-मेल आईडी या मोबाइल नम्बर से लॉग-इन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विभागीय साइट पर साक्षात्कार का ब्योरा अपलोड कर दिया गया है।

जींद की नीरू डांडा ने रचा इतिहास, महिला ट्रेप में जीता पहला भारतीय व्यक्तिगत स्वर्ण

चंडीगढ़ : हरियाणा की 26 वर्षीय नीरू डांडा ने मंगलवार को एशियाई खेलों की महिला ट्रेप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। नीरू एशियाई खेलों में महिला ट्रेप या स्कोट की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने फाइनल में 28 अंक जुटाकर नया एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया।

नीरू ने फाइनल में चीन की सुनू गुयांग को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 26 अंक के साथ रजत पदक जीता। कुवैत की अब्दुलमलिक हाजर 21 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। नीरू का 28 अंक का स्कोर पिछले 24 अंक के एशियाई रिकॉर्ड से बेहतर रहा।

नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 अंक के साथ कतर की रे बेसिल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल किया और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। 118 अंक क्वालीफिकेशन में एशियाई खेलों का रिकॉर्ड भी रहा।

इससे पहले किसी भारतीय महिला ट्रेप निशानेबाज ने एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक नहीं जीता था। भारत के लिए पुरुष ट्रेप की व्यक्तिगत स्पर्धा में रणधीर सिंह ने 1978 में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि रणजीत सोढ़ी ने 2010 एशियाई खेलों में पुरुष डबल ट्रेप का व्यक्तिगत स्वर्ण हासिल किया था।

भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ में नई नियुक्तियां, डॉ. सतीश शर्मा बने प्रदेश संयोजक

डॉ. सतीश शर्मा

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश ने बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ में महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियां की हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ये सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

अधिसूचना के अनुसार बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. रविन्द्र ठाकुर को नई जिम्मेदारी देते हुए प्रदेश प्रकोष्ठ संकुल सह-समन्वयक नियुक्त किया गया है।

इसके साथ ही बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के वर्तमान प्रदेश सह-संयोजक डॉ. सतीश शर्मा को प्रो. रविन्द्र कुमार के स्थान पर बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दोनों पदाधिकारियों को नई संगठनात्मक जिम्मेदारियां प्रदान करते हुए तत्काल प्रभाव से कार्यभार संभालने को कहा है।

नई नियुक्तियां इस प्रकार हैं—

प्रो. रविन्द्र ठाकुर — प्रदेश प्रकोष्ठ संकुल सह-समन्वयक
पंड. सतीश शर्मा — प्रदेश संयोजक, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ
दोनों नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

आर.एस. बाली ने मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर जताया शोक

मेजर विजय सिंह

हिन्द जनपथ धर्मशाला(ब्यूरो)। नगरोटा बगवां के विधायक एवं हिमाचल प्रदेश पर्वटन विकास निगम के अध्यक्ष आर.एस. बाली ने हिमाचल प्रदेश की राजनीति के वरिष्ठ नेता मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

आर.एस. बाली ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की राजनीति में अपनी बेबाकी, निर्भीकता और बुलंद आवाज के लिए पहचान रखने वाले मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन का समाचार सुनकर वह अत्यंत व्यथित और स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मेजर साहब का निधन हिमाचल प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने कहा कि उनके पूज्य पिता जी के मेजर साहब के साथ बेहद आत्मीय और मधुर संबंध रहे हैं। दोनों के बीच हमेशा विशेष स्नेह और सम्मान का रिश्ता रहा। उन्हें भी मेजर साहब से सदैव भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिलता रहा। फोन पर अक्सर उनसे बातचीत होती थी और हर बार उनका स्नेह, अपनापन तथा मार्गदर्शन मन को छू जाता था।

उन्होंने कहा कि मेजर विजय सिंह मनकोटिया का बेबाक व्यक्तित्व, स्पष्ट विचार और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके योगदान और सार्वजनिक जीवन की उनकी विशिष्ट पहचान को लंबे समय तक याद किया जाएगा। आर.एस. बाली ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारजनों और उनके अर्सख्य शुभचिंतकों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

राज्यपाल ने मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर शोक व्यक्त किया

राज्यपाल

हिन्द जनपथ धर्मशाला(ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने पूर्व मंत्री मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोक-संतप परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

ई.वी.एम. व वी.वी.पैट. के भण्डारण कक्ष का निरीक्षण



राज्यपाल

हिन्द जनपथ सोलन (ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने आज कथेड स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी. एम.) व वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वी.वी.पैट.) के भण्डारण कक्ष का त्रैमासिक भौतिक निरीक्षण किया।

इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शिवदत्त ठाकुर व संधीरा सीनू सिंह, भारतीय जनता पार्टी के चंद्रकान्त शर्मा व विजय ठाकुर, आम आदमी पार्टी के भरत ठाकुर व रीता ठाकुर, बहुजन समाज पार्टी के राकेश बारर, सुनीता चौहान व दिक्षा सहित नायब तहसीलदार निर्वाचन संजीव कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे।

केंद्रीय दल ने धर्मशाला में आपदा से प्रभावित सड़कों का लिया जायजा

राज्यपाल

धर्मशाला (ब्यूरो)। इस वर्ष मानसून सीजन के दौरान भारी वर्षा, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण हिमाचल प्रदेश में हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएससीटी) ने मंगलवार को धर्मशाला में विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। दल ने धर्मशाला के समीप सुधेड़ तथा धर्मशाला-मैक्लोडगंज मार्ग पर स्थित खड़ा डंडा रोड पर पहुंचकर सड़कों एवं

अन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का जायजा लिया। सुधेड़ पहुंचने पर उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने

केंद्रीय दल के सदस्यों को मानसून के दौरान क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़क तथा सड़क के आसपास हुए नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा के कारण विभिन्न स्थानों पर सड़क मार्गों को नुकसान पहुंचा है।

केंद्रीय दल के नेतृत्व कर रहे गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव एम. रामचंद्रदु ने संबंधित अधिकारियों से सड़क को हुए नुकसान की प्रकृति, प्रभावित हिस्सों, मरम्मत एवं पुनर्स्थान कार्यों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से आपदा से हुए नुकसान के आकलनतथा किए जा रहे राहत एवं पुनर्वासी कार्यों से संबंधित विवरण भी जाना। इससे पूर्व केंद्रीय दल ने धर्मशाला स्थित एचपीसी स्टेडियम का भी दौरा किया। इसके बाद केंद्रीय दल ने मैक्लोडगंज पहुंचकर तिब्बती धर्मगुरु महामहिम दलाई लामा से औनपचारिक भेंट की। इसदौरान दल के सदस्यों ने उनसेशिष्टाचार भेंट की। इसके उपरंत केंद्रीय दल कुर्कुलु जिला के दौरे पर खाना हो गया। इस अवसर पर केंद्रीय दल के सदस्य एवं जल शक्ति विभाग के निदेशक प्रकाश चंद, ग्रामीण विकास विभाग के निदेशक रामावतार मीणा, रिमोट सेंसिंग सेंटर, इसरो, हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. श्री शशिचर्धन रेड्डी सहित एसडीएम धर्मशाला मौहलत तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थितरहे।

प्रदेश सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध - संजय अवस्थी

संजय अवस्थी

हिन्द जनपथ सोलन (ब्यूरो)। अर्कों के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को प्राथमिकता प्रदान कर रही है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बलेरा के राजकीय प्राथमिक पाठशाला चंडेरा में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान ‘ आम का पौधा’ रोपित करने के उपरांत उपस्थित जनमसूह को सम्बोधित कर रहे थे।

संजय अवस्थी ने तदोपरांत 1.50 करोड़ रुपए से निर्मित होने वाली उठाक सिंचाई योजना चंडेरा तथा ग्राम पंचायत बडोग में 11.5 करोड़ रुपए से निर्मित होने वाले साई-जोहाड़ी-खुन्ड-चम्यासी से समलेच संपर्क मार्ग की आधारशिला रखी।

विधायक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की भूमिका से हम सभी परिचित हैं। पौधरोपण के माध्यम से ही वन भूमि का दायरा बढ़ाकर भू एवं भू-जल का संरक्षण किया जा सकता है और पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर

स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक पौधे रोपित करने के लिए प्रेरित किया।

संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव को आत्मनिर्भर बनाए बिना प्रदेश का चहुंमुखी विकास नहीं किया जा सकता। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकार ग्रामीण आर्थिकी पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रदेश सरकार

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड (HPSEBL) द्वारा हिमाचल प्रदेश पावर सेक्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत अद्यतन लेखा नियमावली तथा बैंकिंग, बजट एवं खरीद नियमावली के लागू प्रावधानों पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम Deloitte India LLP के सहयोग से आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य एचपीएसईबीएल के लेखा कार्मिकों को अद्यतन लेखा नियमावली, बैंकिंग, बजट एवं खरीद संबंधी प्रक्रियाओं तथा उनके प्रभावी अनुपालन की जानकारी प्रदान करना है, ताकि वित्तीय एवं लेखा कार्यों में दक्षता, पारदर्शिता तथा प्रक्रियात्मक एकरूपता को और सुदृढ़ किया जा सके।

इस अवसर पर श्री श्रवण कुमार, निदेशक (वित्त एवं कार्मिक), एचपीएसईबीएल ने कहा कि बदलती वित्तीय एवं लेखा प्रक्रियाओं के अनुरूप अधिकारियों एवं कर्मचारियों का निरंतर क्षमता निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि “अद्यतन नियमावली एवं प्रक्रियाओं की बेहतर समझ से लेखा कार्यों में एकरूपता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित

कांगड़ा व शाहपुर उप-मण्डल में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के 15 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

संजय अवस्थी

हिन्द जनपथ शाहपुर (ब्यूरो)। बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) रैत के कार्यालय द्वारा कांगड़ा एवं शाहपुर उपमंडल के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के कुल 15 रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें कांगड़ा उपमंडल में 3 तथा शाहपुर उपमंडल में 12 पद शामिल हैं।

सीडीपीओ रैत निर्मला देवी ने बताया कि कांगड़ा उपमंडल के गुब्बर पंचायत के लपियाना,2ए लपियाना खास तथा मनेई पंचायत के मावा मंद्रेला आंगनवाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी हेल्पर के पद भरे जाएंगे।

इसी प्रकार शाहपुर उपमंडल में कुठमा पंचायत के भेड़ी, सराह पंचायत के जटेड, रैत पंचायत के रैत-1, चह्दी पंचायत के ऊनी बेहंडु, भलेड पंचायत के काकड़ा, रजोल, बंडी पंचायत के घरथेड-1, नेरटी पंचायत के नेरटी-2, मंड्रांग पंचायत के छतड़ी, मकरोटी पंचायत के मकरोटी-1, डोहब पंचायत के झिकला डोहब तथा हरनरा पंचायत के बड़न्ज-1 आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता एवं सहायिका के पद भरे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए महिला उम्मीदवार की आयु 18 से 35 वर्ष तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास होना अनिवार्य है।

सभी ई.सी.सी.ई. संचालक ‘हिम सेवा पोर्टल’ पर करवाएं पंजीकरण

संजय अवस्थी

हिन्द जनपथ सोलन (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा केन्द्र (पंजीकरण और विनियमन) नियम, 2026 को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचित कर दिया गया है। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सोलन डॉ. पदम देव ने दी।

डॉ. पदम देव ने कहा कि हिमाचल प्रदेश प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा केन्द्र (पंजीकरण और विनियमन) नियम, 2026 के अंतर्गत सभी प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) केन्द्रों के सुचारू पंजीकरण और विनियमन किया जाता है।

उन्होंने कहा कि सभी ई.सी.सी.ई. संचालकों को ‘हिम सेवा पोर्टल’ पर

अनिवार्य पंजीकरण करवाना होगा।

उन्होंने कहा कि ई.सी.सी.ई. केन्द्र जैसे केंद्र, प्ले स्कूल, डे केयर सेंटर, किंडरगार्टन, नर्सरी स्कूल तथा बालवाड़ी जैसे संस्थान इस नियम के तहत आते हैं। उन्होंने कहा कि नियम के तहत 20 बच्चों के लिए इनडोर क्लासरूम लगभग 28 वर्ग मीटर का होना चाहिए। इससे अधिक संख्या की स्थित में प्रति अतिरिक्त बच्चा 1.4 वर्ग मीटर स्थान होना चाहिए।

डॉ. पदम देव ने कहा कि 20 बच्चों के लिए खेल का मैदान 900 से 1400 वर्ग फुट के मध्य होना चाहिए। यदि भौगोलिक कारणों से बाहरी स्थान उपलब्ध न हो, तो 600 वर्ग फुट का अतिरिक्त इनडोर खेल क्षेत्र प्रदान करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र में अनुकूल

हिमाचल

प्रदेश सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध - संजय अवस्थी

संजय अवस्थी

तक बेहतर सड़कों का निर्माण करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संजय अवस्थी ने गांव चंडेरा के मोक्षधाम तक रास्ते के निर्माण के लिए 02 लाख रुपए, राजकीय प्राथमिक विद्यालय चंडेरा के भवन की मुरम्मत के लिए 01 लाख रुपए, ग्राम पंचयात बलेरा के लिए 10 सोलर लाईट, 06 पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों को 11-11 हजार रुपए तथा एक पंजीकृत युवक मण्डल को 21 हजार रुपए देने की घोषणा की।

उन्होंने क्षेत्र में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने के लिए उच्च स्तर पर मामला उठाने का आश्वासन दिया।

विधायक ने खटेडा गांव के मोक्षधाम में शेड के निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपए, गांव समलेच के मोक्षधाम में शेड निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपए तथा महिला मण्डल साई, जोहड़ी व चम्यासी को सामान क्रय करने के लिए 21-21 हजार रुपए देने की घोषणा की।

संजय अवस्थी ने इस अवसर पर ‘सरकार आपके द्वार’ कार्यक्रम के तहत स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

एचपीएसईबीएल के 102 लेखा कार्मिकों को अद्यतन लेखा नियमावली एवं वित्तीय प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण



क करने में सहायता मिलेगी। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कार्मिकों को नियमों के व्यावहारिक अनुपालन तथा अपने दायित्वों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में मदद मिलेगी।” उन्होंने प्रशिक्षण में भाग ले रहे सभी कार्मिकों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने दैनिक कार्यों में प्रभावी रूप से लागू करने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 29 सितम्बर, 2026 तक चार बैचों में आयोजित किया गया। इसमें अब तक 102 लेखा कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

उपायुक्त हेमराज बैरवा की अध्यक्षता में कांगड़ा वैली कार्निवल की तैयारियों को लेकर बैठक

संजय अवस्थी

हिन्द जनपथ धर्मशाला (ब्यूरो)। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा की अध्यक्षता में मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में कांगड़ा वैली कार्निवल के आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्निवल के दौरान प्रस्तावित विभिन्न गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त ने बताया कि धर्मशाला में कांगड़ा वैली कार्निवल 24 से 31 दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी धर्मशाला

शौचालय, स्वच्छ पेयजल, सी.सी. टी.वी. निगरानी, अग्नि सुरक्षा उपाय और दिव्यांग बच्चों के लिए बाधा मुक्त पहुंच (रैम्प) अनिवार्य हैं। यदि केन्द्र परिवहन सुविधा देता है तो वाहन में प्रति 10 बच्चों पर वरीयता महिला को तैनात करना होगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि केन्द्रों को बच्चों के विकास के मूल्यांकन के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा विकसित ‘आधारिशला’ राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का पालन करना होगा। इसके आधार पर बच्चों के लिए आयु-विशिष्ट मूल्यांकन कार्ड तैयार करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि सभी इच्छुक संस्थान प्रारूप-1 भरकर जिला कार्यक्रम अधिकारी को ऑनलाइन आवेदन कर

सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए महिला एवं बाल विकास के निर्देश सक्षम प्राधिकारी होंगे।

उन्होंने कहा नए पंजीकरण के लिए कुल शुल्क 15 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। इसमें 05 हजार रुपए प्रोसेसिंग शुल्क व 10 हजार रुपए पंजीकरण शुल्क है। उन्होंने कहा कि नवीनीकरण के लिए कुल 10 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। इसमें 05 हजार रुपए प्रोसेसिंग शुल्क व 05 हजार रुपए नवीनीकरण शुल्क है।

डॉ. पदव देव ने कहा कि केन्द्रों द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि आजकल वे पीपीटी के माध्यम

राज्यपाल ने संकट मोचन हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना



राज्यपाल

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता के साथ आज शिमला स्थित ऐतिहासिक संकट मोचन हनुमान मंदिर में माथा टेका और पूजा-अर्चना की। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के लोगों की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण किया और इसकी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, शिमला की आस्था और परंपराओं से इसके गहरे जुड़ाव की जानकारी भी प्राप्त की।

राज्यपाल ने इस अवसर पर संत बाबा नीम करौली महाराज का स्मरण किया। उनका इस पवित्र स्थल से आध्यात्मिक जुड़ाव संकट मोचन

जल जीवन मिशन के तहत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ सोलन (ब्यूरो)। अतिरिक्त उपायुक्त सोलन दिव्यांशु सिंगल ने कहा कि प्रत्येक परिवार को पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। दिव्यांशु सिंगल आज यहां जल शक्ति

विभाग के सौजन्य से जल जीवन मिशन के तहत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के सम्बन्ध में आयोजित एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत चल रहे सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के साथ-साथ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के उच्च मानकों को सुनिश्चित किया जाए। दिव्यांशु सिंगल ने कहा कि पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी

जुड़ा विषय है। इसलिए विभाग स्थानीय लोगों के साथ आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जल जीवन मिशन के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सम्बन्धित विभाग के

अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों और कार्यालयों में पेयजल टैंकों को साफ करवाना सुनिश्चित बनाए। इसके अतिरिक्त सभी होटल, ढाबों व रेस्टोरेंट में उपयोग होने पेयजल की गुणवत्ता की जांच भी करें।

उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को प्रत्येक पंचायत में हर घर जल की प्रमाणिकता करने के निर्देश भी दिए। दिव्यांशु सिंगल ने पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि अपने क्षेत्र के प्राकृतिक पेयजल स्रोतों की सफाई करवाना व निरीक्षण

करना सुनिश्चित बनाएं ताकि स्थानीय लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने आमजन से भी आग्रह किया कि वह अपने पेयजल की जांच निर्धारित फीस जमा कर जल शक्ति विभाग से करवा सकते हैं।

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी समितियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और तैयारियों की नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में आयोजन स्थल की सफा-सफाई, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधाएं, मंच व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक व्यवस्था के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर तैयारियां निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

तकनीकी संस्थानों के सुदृढ़ीकरण के लिए 35.34 करोड़ रुपये जारी: राजेश धर्माणी

राज्यपाल

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने आज यहां कहा कि हिमाचल प्रदेश तकनीकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर है। प्रदेश सरकार बुनियादी अधोसंरचना को मजबूत कर रही है और युवाओं को रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहाकि प्रदेश सरकार द्वारा पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग और आईटीआई संस्थानों को अत्याधुनिक बनाना जा रहा है ताकि प्रशिक्षुओं को नवचार के नए अवसर प्रदान किए जाए। इस क्रम में राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के लिए 35.34 करोड़ रुपये जारी किए हैं। जिला कांगड़ा स्थित आईटीआई बैजनाथ के लिए 3 करोड़ रुपये, आदर्श आईटीआई संसारपुर-टैरस के लिए 1.75 करोड़ रुपये, राजकीय फार्मसी कांगड़ा में सरकारी आवास के लिए 2.29 करोड़ रुपये, राजकीय पॉलिटेक्निक कांगड़ा में अकादमी ब्लॉक-बी के लिए 3 करोड़ रुपये और नगरोटा बगवां बलधर में स्टेट ऑफ आर्ट आईटीआई भवन के लिए 3.50 करोड़ रुपये जारी किए हैं। सिमरौर जिला में आईटीआई सराहां के लिए 3.71 करोड़ रुपये, आईटीआई कफोटा के लिए 5.83 करोड़ रुपये और आईटीआई कौलावाला भुइ के लिए 3.42 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। जिला कुर्कुलु स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक छात्रावास (बॉयज) के लिए 3.58 करोड़ रुपये, जिला ऊनास्थित आईटीआई भद्रकाली के लिए 3.26 करोड़ रुपये और जिला मण्डी में आईटीआई करसोग के भवन के लिए 2 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में कोई dissenting note होता तो वह रिकॉर्ड का हिस्सा होता। तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में निर्णय बहुमत से होता है। ऐसे में जो विषय सामने रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की बैठक के बाद तीनों चुनाव आयुक्तों की ओर से सामने आई स्थिति ने कई बातों को स्पष्ट कर दिया है। जयराम ठाकुर के अनुसार, जिस पत्र का उल्लेख किया जा रहा है वह कैबिनेट सचिव को भेजा गया था और उसका चुनाव आयोग के किसी नीतिगत विषय अथवा SIAR से संबंध नहीं था, बल्कि वह प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संबंधित था।

जयराम ठाकुर ने चुनाव आयोग के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस को पहले अपने शासनकाल के इतिहास को भी देखना चाहिए। उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों सुकुमार सेन, कल्याण सुंदरम, नागेंद्र सिंह, टी. स्वामीनाथन, आर.के. त्रिवेदी, जी.एस. रमादेवी, टी.एन. शेषन और एम.एस. गिल के कार्यकाल का उल्लेख किया।

प्रॉपर्टी फेडरेशन, चण्डीगढ़ को मिला नया नेतृत्व : नरेश बंसल अध्यक्ष निर्वाचित

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रॉपर्टी फेडरेशन, चण्डीगढ़ की महासभा का आयोजन फेडरेशन के चेयरमैन जे.डी. गुप्ता की उपस्थिति में किया गया। महासभा के दौरान फेडरेशन के नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रियासंपन्न हुई। चुनाव मेंनरेश बंसल का मुकाबला कमलजीत सिंह पंथी केसाथ हुआ, जिसमें नरेश बंसल नए अध्यक्ष के रूप मेंनिर्वाचित हुए। नरेश बंसल के निर्वाचन के साथ फेडरेशन में नए नेतृत्व के एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है। नया नेतृत्व संगठन को और मजबूत बनाने तथा चंडीगढ़ के प्रॉपर्टी एवं व्यापारिक समुदाय से जुड़े सदस्यों की समस्याओं और हितों को प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सदस्यों के हित और रचनात्मक संवाद पर रहेगा विशेष जोर

निर्वाचन के बाद नरेश बंसल ने फेडरेशन के सभी सदस्यों का विश्वास, समर्थन एवं सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि नया नेतृत्व सभी सदस्यों को साथ लेकर सामूहिक, पारदर्शी एवंसंगठन के व्यापकहित में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि वे फेडरेशन के सभी सदस्यों के हृदय से आभारी हैं, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया और अपना समर्थन एवं सहयोग दिया। यह जीत केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धिनहीं है, बल्कि सदस्यों द्वारा उन्हें सौंपी गई एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे सभी को साथ लेकर प्रॉपर्टी फेडरेशन, चंडीगढ़ को और मजबूत बनाने तथा संस्था के सदस्यों की वास्तविक समस्याओं और चिंताओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने का हर संभव प्रयास करेंगे।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाब / हिमाचल

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा विभिन्न कर्मचारी यूनियनों और कल्याण एसोसिएशनों के साथ त्यापक विचार-विमर्श

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कर्मचारियों और कार्यबल के विभिन्न वर्गों के जायज मुद्दों को आपसी बातचीत, पारदर्शिता और रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से हल करने संबंधी भगवंत मान सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, कर्मचारियों के मुद्दों के समाधान के लिए गठित कैबिनेट सब-कमेटी के प्रमुख एवं वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां विभिन्न

कर्मचारी यूनियनों और एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकों की श्रृंखला आयोजित की।

बैठकों के दौरान संयुक्त दिव्यांग मोर्चा (पंजाब), पंजाब वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड एम्प्लॉइज कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स एंड लेबर यूनियन, मनरेगा कर्मचारी यूनियन (पंजाब) और नेत्रहीन एकता पंजाब एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडलों ने कैबिनेट सब-कमेटी को अपने मांग-पत्र सौंपे और



वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को अपने प्रशासनिक, सेवा-मुक्ता/ रोजगार तथा कल्याण से जुड़े मुद्दों से अवगत कराया।

विचार-विमर्श की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को धैर्यपूर्वक सुना और उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से दर्ज किया। उन्होंने कहा, “पंजाब सरकार ‘खुले दरवाजे’ की नीति में विश्वास रखती है और कर्मचारियों तथा

उनके प्रतिनिधियों के साथ रचनात्मक एवं पारदर्शी तरीके से संवाद बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।” वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि सरकार राज्य के कामकाज में कर्मचारियों और कार्यबल के विभिन्न वर्गों के योगदान को मान्यता देती है और जायज मांगों की सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वित्त मंत्री ने संबंधित प्रशासनिक विभागों

आँगनवाड़ी कार्यकर्ता ‘नशा मुक्ति मित्र’ के रूप में पंजाब के ‘युद्ध नशेआं विरुद्ध’ अभियान से जुड़ीं

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब भर में आँगनवाड़ी कार्यकर्ता भगवंत मान सरकार के ‘युद्ध नशेआं विरुद्ध’ अभियान से ‘नशा मुक्ति मित्र’ के रूप में जुड़ते हुए परिवारों और समुदायों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए जमीनी स्तर पर एक नेटवर्क तैयार कर रही हैं, जिसमें खेल और सामुदायिक भागीदारी नशे की रोकथाम की रणनीति के प्रमुख घटक बनकर उभर रहे हैं।

श्री मुक्तसर साहिब के मलेट में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम ने यह झलक पेश की कि भाववंत मान सरकार का ‘युद्ध नशेआं विरुद्ध’ अभियान एनफोर्समेंट और नशा मुक्ति से आगे बढ़कर सामुदायिक स्तर पर नशे की रोकथाम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इस अवसर पर, ‘नशा मुक्ति मित्र’ के रूप में सेवाएँ दे रही 20 आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को



नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने में उनके योगदान के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने सम्मानित किया। परिवारों और बच्चों के साथ नियमित संपर्क में रहने वाली आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को समुदाय स्तर पर

जागरूकता दूत के रूप में भूमिका दी जा रही है, वे लोगों को नशे के खतरों के प्रति जागरूक करने, समय रहते हस्तक्षेप के लिए प्रेरित करने और ज़रूरतमंद लोगों को सरकार की नशा मुक्ति एवं रीहैबिलिटेशन सेवाओं से जोड़ने में मदद करेंगी।

चंडीगढ़ चैंपियंस ने फतेहाबाद फाइटर्स को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हराया

पंचकूला – सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में खेली जा रही नमो क्रिकेट लीग 2026 में चंडीगढ़ चैंपियंस ने रोमांचक मुकाबले में फतेहाबाद फाइटर्स को सात रन से हराया। दूसरे दिन के मुकाबलों में बड़ी संख्या में लोग मैच देखने के लिए पहुंचे। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरण भंडारी ने बताया कि खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। मीडिया कॉन्डेंसर संजीव सूद ने बताया कि लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए सभी पास रह करते हुए आम जनता के लिए मैच देखने की सुविधा कर दी गई है। कोई भी कहीं से भी मैच देखने के लिए आ सकता है। आने वाले सभी लोगों के लिए निशुल्क खाने की व्यवस्था की गई है। जीत के साथ चंडीगढ़ चैंपियंस की टीम ने अगले दौर में पहुंच गई है। चंडीगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 6 विकेट पर 99 रन बनाए। नीरज ने 25 रेंदों पर 53 रन और दीप ने नौ गेंदों पर 19 रन बनाए। जवाब में फतेहाबाद फाइटर्स की टीम 10 ओवर में 9 विकेट पर 92 रन ही बना सकी। फतेहाबाद की ओर से गुलाब ने 17 गेंदों पर 33 और संजय ने 16 गेंदों पर 23 रन बनाए। चंडीगढ़ की ओर से करण ने 19 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

लीग के अन्य मुकाबलों में जालंधर जगुआर्स ने भट्ट कलां बी को 5 विकेट से हराया। भट्ट कलां की टीम 10 ओवर में 9 विकेट पर 59 रन ही बना सकी। जवाब में जालंधर ने 7.5 ओवर में 5 विकेट पर 63 रन बनाकर जीत दर्ज की। जालंधर के खिलाड़ी जैज ने 9 गेंदों पर 18 रन बनाए। कैथल नाइट्स ने करनाल किंग्समैन को 8 विकेट से हराया। करनाल ने 10 ओवर में 9 विकेट पर 78 रन बनाए। जवाब में कैथल ने 8 ओवर में 2 विकेट पर 82 रन बनाकर मैच जीत लिया।

चंडीगढ़ चैंपियंस ने रोमांचक मुकाबले में फतेहाबाद फाइटर्स को सात रन से हराया। दूसरे दिन के मुकाबलों में बड़ी संख्या में लोग मैच देखने के लिए पहुंचे। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरण भंडारी ने बताया कि खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। मीडिया कॉन्डेंसर संजीव सूद ने बताया कि लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए सभी पास रह करते हुए आम जनता के लिए मैच देखने की सुविधा कर दी गई है। कोई भी कहीं से भी मैच देखने के लिए आ सकता है। आने वाले सभी लोगों के लिए निशुल्क खाने की व्यवस्था की गई है। जीत के साथ चंडीगढ़ चैंपियंस की टीम ने अगले दौर में पहुंच गई है। चंडीगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 6 विकेट पर 99 रन बनाए। नीरज ने 25 रेंदों पर 53 रन और दीप ने नौ गेंदों पर 19 रन बनाए। जवाब में फतेहाबाद फाइटर्स की टीम 10 ओवर में 9 विकेट पर 92 रन ही बना सकी। फतेहाबाद की ओर से गुलाब ने 17 गेंदों पर 33 और संजय ने 16 गेंदों पर 23 रन बनाए। चंडीगढ़ की ओर से करण ने 19 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

लीग के अन्य मुकाबलों में जालंधर जगुआर्स ने भट्ट कलां बी को 5 विकेट से हराया। भट्ट कलां की टीम 10 ओवर में 9 विकेट पर 59 रन ही बना सकी। जवाब में जालंधर ने 7.5 ओवर में 5 विकेट पर 63 रन बनाकर जीत दर्ज की। जालंधर के खिलाड़ी जैज ने 9 गेंदों पर 18 रन बनाए। कैथल नाइट्स ने करनाल किंग्समैन को 8 विकेट से हराया। करनाल ने 10 ओवर में 9 विकेट पर 78 रन बनाए। जवाब में कैथल ने 8 ओवर में 2 विकेट पर 82 रन बनाकर मैच जीत लिया।

चंडीगढ़ चैंपियंस ने रोमांचक मुकाबले में फतेहाबाद फाइटर्स को सात रन से हराया। दूसरे दिन के मुकाबलों में बड़ी संख्या में लोग मैच देखने के लिए पहुंचे। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरण भंडारी ने बताया कि खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। मीडिया कॉन्डेंसर संजीव सूद ने बताया कि लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए सभी पास रह करते हुए आम जनता के लिए मैच देखने की सुविधा कर दी गई है। कोई भी कहीं से भी मैच देखने के लिए आ सकता है। आने वाले सभी लोगों के लिए निशुल्क खाने की व्यवस्था की गई है। जीत के साथ चंडीगढ़ चैंपियंस की टीम ने अगले दौर में पहुंच गई है। चंडीगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 6 विकेट पर 99 रन बनाए। नीरज ने 25 रेंदों पर 53 रन और दीप ने नौ गेंदों पर 19 रन बनाए। जवाब में फतेहाबाद फाइटर्स की टीम 10 ओवर में 9 विकेट पर 92 रन ही बना सकी। फतेहाबाद की ओर से गुलाब ने 17 गेंदों पर 33 और संजय ने 16 गेंदों पर 23 रन बनाए। चंडीगढ़ की ओर से करण ने 19 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

लीग के अन्य मुकाबलों में जालंधर जगुआर्स ने भट्ट कलां बी को 5 विकेट से हराया। भट्ट कलां की टीम 10 ओवर में 9 विकेट पर 59 रन ही बना सकी। जवाब में जालंधर ने 7.5 ओवर में 5 विकेट पर 63 रन बनाकर जीत दर्ज की। जालंधर के खिलाड़ी जैज ने 9 गेंदों पर 18 रन बनाए। कैथल नाइट्स ने करनाल किंग्समैन को 8 विकेट से हराया। करनाल ने 10 ओवर में 9 विकेट पर 78 रन बनाए। जवाब में कैथल ने 8 ओवर में 2 विकेट पर 82 रन बनाकर मैच जीत लिया।

3

न्यूज डायरी

ट्राइसिटी वरिष्ठ नागरिक सेवा ट्रस्ट ने नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार और डॉ. हरजीत सिंह को किया सम्मानित

हिन्द जनपथ चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ट्राईसिटी सीनियर सिटीजंस सेवा ट्रस्ट द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए विशेष सहयोग और सफल कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार तथा ‘तेरा-तेरा मिशन’ के संचालक डॉ. हरजीत सिंह को उनके कार्यालय में जाकर सम्मानित किया गया।

संस्था की ओर से भूपिंदर कुमार, वरिन्दर कुमार,

सुशील शर्मा, बलदेव राव खुराना और राकेश पुरी आदि सदस्यों ने कमिश्नर और डॉ. हरजीत सिंह को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्मृति चिह्न भेंट किया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और समाज सेवा को लेकर आगे की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

केंद्र सरकार रबी सीजन के लिए 5.5 लाख मीट्रिक टन डी.ए.पी. और 15 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित करे: गुरमीत सिंह खुड्डियां

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/नई दिल्ली– पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने मांग की है कि केंद्र सरकार आगामी रबी सीजन 2026-27 के दौरान फसलों की बुवाई के लिए डी.ए.पी. और यूरिया खाद की बिना देरी आपूर्ति सुनिश्चित करे।

आज यहां स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा आयोजित रबी सीजन 2026 संबंधी राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए स. खुड्डियां ने कहा कि रबी सीजन की फसलों, विशेषकर गेहूं और आलू की बुवाई के लिए 5.5 लाख मीट्रिक टन डी.ए.पी. और 15 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य की आवश्यकता के अनुसार उक्त मात्रा में इन रासायनिक खादों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करे।

स. खुड्डियां ने कहा कि पंजाब का कृषि योग्य रकबा 41 लाख हेक्टेयर है और राज्य केंद्रीय अन्न भंडार में गेहूं का 40 प्रतिशत तथा धान का 22 प्रतिशत योगदान देता है। कृषि मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों के दौरान कई बार रबी सीजन में केंद्र द्वारा डी.ए.पी. और यूरिया की आपूर्ति समय पर न होने के कारण किसानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्य को इन खादों की बिना देरी आपूर्ति सुनिश्चित करे, ताकि पंजाब केंद्रीय अन्न भंडार में अपने इस योगदान को बरकरार रख सके।

पंचकूला केंद्रीय सहकारी बैंक की 31वीं वार्षिक आम सभा आयोजित

पंचकूला – पंचकूला के अतिरिक्त उपायुक्त श्री विवेक आर्य ने कहा कि शीघ्र ही पंचकूला केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड की सभी 12 शाखाओं में आधार आधारित भुगतान प्रणाली (AePS) की सुविधा माइक्रो एटीएम के माध्यम से उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा, बैंक की शाखाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा तथा कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर बैंक द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

श्री विवेक आर्य आज पंचकूला केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड की 31वीं वार्षिक आम सभा (AGM) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक का आयोजन बैंक के प्रधान कार्यालय, सेक्टर-2, पंचकूला में किया गया। बैठक का सफल संचालन बैंक के महाप्रबंधक श्री यशवीर सिंह को देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री विनोद कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक तथा श्री विजेंद्र, निरीक्षक, सहकारी समितियां, पंचकूला भी उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए श्री विवेक आर्य, आईएएस, ने बताया कि बैंक की सभी 12 शाखाओं में माइक्रो एटीएम की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके माध्यम से किसी भी बैंक का ग्राहक अपने खाते से राशि की निकासी कर सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक द्वारा व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण, गृह निर्माण ऋण, डेयरी ऋण, संयुक्त देयता समूह ऋण, शिक्षा ऋण तथा केश क्रेडिट लिमिट सहित विभिन्न ऋण सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। बैठक में बैंक के महाप्रबंधक श्री यशवीर सिंह ने वित्त वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि बैंक की कुल जमा राशि 31 मार्च 2025 को 325.14 करोड़ थी, जो बढ़कर 31 मार्च 2026 को 345.14 करोड़ हो गई है।वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का कुल बकाया ऋण 345.38 करोड़ रहा, जबकि बैंक की कारपोरल पूंजी 516.09 करोड़ रही। बैंक की बेहतर कार्यप्रणाली के चलते ऑडिट ग्रेड में भी सुधार हुआ है। पिछले वर्ष के ‘B’ ग्रेड की तुलना में इस वर्ष बैंक को ‘B+’ ग्रेड प्राप्त हुआ है।

फूड की बर्बादी को रोकने के लिए मंडी सिस्टम को आधुनिक और मजबूत बनाना समय की मुख्य आवश्यकता — हरचंद सिंह बरसट



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। फूड के नुकसान और बर्बादी को रोकना आज के समय की एक बड़ी जरूरत बन चुका है। इस दिशा में देश की मंडियों को आधुनिक तकनीक से लेस करने के साथ-साथ बुनियादी ढांचे, स्टोरेज, कोल्ड चेन और ट्रांसपोर्टेशन प्रबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता है। यह विचार पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन और नेशनल कीसल ऑफ स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड्स (कौसांब) के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट ने उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दौरान व्यक्त किये।

उत्तराखंड स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री अनिल डब्बू की अध्यक्षता में होटल कॉर्बेट एलिगेंट रिट्रिट, रामनगर, उत्तराखंड में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने फूड लॉस एंड वेस्ट इन होलसेल फ्रूट एंड वेंजिटबल मार्केट्स का आयोजन किया गया है। इंटरनेशनल डे आफ अवेयर्नेस आफ फूड लास और वेस्ट के मौके पर आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में हिमाचल प्रदेश स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री कुलदीप सिंह, अक्सर एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री मनोज बरआ,

हिमाचल प्रदेश स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड के एम.डी. श्री राम कुमार गौतम (आई.ए.एस.), कौसांब के एम.डी. डॉ. जे.एस. यादव सहित देश के विभिन्न राज्यों के मंडी बोर्डों के अधिकारियों और अन्य संबंधित शक्तिसयतों ने शिरकत की। कॉन्फ्रेंस के दौरान स. हरचंद सिंह बरसट ने अपने उद्घाटन संबोधन में फूड के महत्व और इनकी सही संभाल की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि फूड मानव जीवन की बुनियादी जरूरत हैं और इनकी बर्बादी को किसी भी स्तर पर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने गहरी चिंता प्रकट की कि कुल उत्पादन का लगभग 30 फीसदी हिस्सा बर्बाद हो जाता है। यह बर्बादीना सिर्फ आर्थिक नुकसान का कारण बनती है, बल्कि इससेपेदा होने वाली हानिकारक गैसें पर्यावरण को भी गंभीर रूपसे दूषित कर रही हैं। स. बरसट ने कहा कि फूड के नुकसान और बर्बादी को घटाने के लिए मंडी प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों को अपनानासमय की मुख्य जरूरत है। इस संबंध में ऑटिफिशियल ड्रेलिजैस, डाटा-आधारितप्रबंधन का उपयोगिया जासकताहै। इन तकनीकों के माध्यम से फलों और सब्जियों की आवक, मांग और सप्लाई संबंधी जानकारी का बेहतर प्रबंधन करकेनुकसान को कमकिया जासकताहै।

पौष्टिक आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली का महत्व विषय पर पीजीआई की असिस्टेंट डाइटिशियन डायटीशियन नवनीत कौर सोढ़ी ने व्याख्यान दिया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज-46, चण्डीगढ़ में प्राचायां प्रो. निशा अग्रवाल के मार्गदर्शन में पोषण माह (राष्ट्रीय पोषण माह) के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर “पौष्टिक आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली का महत्व” विषय पर पीजीआईएम्आईआर, चण्डीगढ़ की असिस्टेंट डाइटिशियन डायटीशियन नवनीत कौर सोढ़ी ने व्याख्यान दिया। उन्होंने आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को स्वस्थ खान-पान की आदतें अपनाने और भोजन का चयन सोच-समझकर करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संतुलित एवं विविध आहार के हिस्से के रूप में सरल, स्थानीय और पारंपरिक पोषक खाद्य पदार्थों को शामिल करने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और फैकल्टी सदस्यों द्वारा तैयार किए गए पौष्टिक खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में साबुदाना खीर, दाल-बाटी, नायल के लड्डू, गेहूं एवं ड्राई फ्रूट के लड्डू, स्पाउट्स सलाद सहित विभिन्न पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शित किए गए। इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वस्थ भोजन के विकल्पों और पौष्टिक आहार के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का रोचक अवसर मिला। सुश्री ज्योति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से “स्वस्थ खाएं, स्वस्थ रहें” का संदेश दिया गया तथा कॉलेज समुदाय में पोषण, स्वस्थ खान-पान की आदतों और समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में योगदान दिया गया।



शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू बिक्री पर सख्त निगरानी के निर्देश

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने कहा कि शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में बीड़ी, सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। यदि कोई व्यक्ति इस नियम का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा), 2003 के तहत चालान सहित आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उपायुक्त सतपाल शर्मा लघु सचिवालय के सभागार में आज तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के संबंध में गठित जिला स्तरीय समन्वय समिति की आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पुलिस व संबंधित विभाग को जिले में चल रहे हुका बारो की भी ड्राईव चलाकर चैकिंग करने के निर्देश दिए। यदि कोई हुका बार की आड में नशा सड़क करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाही अमल में लाई जाए।

उपायुक्त ने कहा कि सिगरेट एवं

तंबाकू उत्पादों का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इसके सेवन से शरीर में अनेक गंभीर और जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा), 2003 के तहत होटल, रेलवे स्टेशन, सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालय, बस स्टैंड, सिनेमा हॉल, स्कूल, कॉलेज तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि सिगरेट, बीड़ी या किसी अन्य माध्यम से धूम्रपान करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 200 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाकर

●

उपायुक्त ने तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की करी अध्यक्षता

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों के चालान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा बैनर, पोस्टर और पंपलेट के माध्यम से लोगों को धूम्रपान एवं तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए। इसके अलावा सभी सार्वजनिक कार्यालयों, संस्थानों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर “यहां धूम्रपान करना निषेध है” संदेश वाले पोस्टर प्रमुखता से लगाए जाएं, ताकि लोगों में तंबाकू नियंत्रण कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़े और उनका प्रभावी पालन सुनिश्चित हो सके।

तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. संदीप जैन ने बताया कि धूम्रपान तथा तंबाकू, गुटखा और खैनी जैसे उत्पादों का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इनके सेवन से दमा, सांस संबंधी समस्याएं, लगातार खांसी, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, पक्षाघात (अंधरंग), मधुमेह, आंखों में जलन और मोतियाबिंद जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।



कि कोई भी ट्रैफिक लाईट्स पर भीख न मांगता पाया जाए। इसके अलावा उन्होंने ओल्ड पंचकूला के आस पास खड़ी होने वाली टैक्सियों व प्राइवेट सवारी गाड़ियों के भी चालान करने के निदेश दिए। इन गाडियों के यहां खड़े होने से भीड़ बढ़ती है व दुर्घटना का अंदेश बना रहता है। सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी स्कूल बसों का नियमित निरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहनों में बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपकरण और प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध हो। उन्होंने आरटीए को नोर्म न पुरे करने वाली स्कूली बसों के ज्यादा से ज्यादा चालान करने के साथ साथ युवाओं को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएमडीए व पुलिस को सेक्टर 11, 15, 10 व 14 का मुआयना कर चेक करें की इस क्षेत्र में रैडलाइट की जरूरत है या नहीं।

उपायुक्त ने पुलिस विभाग को निर्देश

संपादकीय

मणिपुरहिंसा,कबनिकलेगा संकट का समाधान?

आज भी अलग-अलग जातीय समुदाय कई जगहों पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं और आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। करीब तीन साल से ज्यादा गुजर जाने के बावजूद आज भी मणिपुर में जो हालात हैं, उससे यही लगता है कि या तो सरकार को समस्या के समाधान का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है या फिर स्थिति की जटिलता को लेकर शासन-प्रशासन उदासीन है। वरना इतने वक्त में सभी पक्षों को संवाद की मेज पर लाकर कोई सर्वमान्य हल निकालने के बजाय आखिर ऐसा क्यों है कि संकट का स्तर ज्यों का त्यों बना हुआ है।आज भी अलग-अलग जातीय समुदाय कई जगहों पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं और आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। स्थिति का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सरकार को एक बार फिर से कुछ इलाकों को छोड़ कर मणिपुर को अशांत क्षेत्र घोषित करने की जरूरत पड़ गई। जाहिर है, राज्य में हिंसा पर काबू पाने में शुरूआती लापरवाही का सिरा अब भी कायम है और सरकार एक तरह से लाचार दिख रही है। क्या यह राज्य में कानून-व्यवस्था को संभाल पाने में सरकार की नाकामी का सबूत नहीं है?गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नगालैंड के कुछ जिलों के साथ-साथ मणिपुर में तेरह थाना क्षेत्रों को छोड़ कर समूचे राज्य को फिर से अशांत क्षेत्र घोषित कर दिया है। अब इन इलाकों में एक अकूबर के बाद अगले छह महीनों तक यह नियम लागू रहेगा। दूसरी ओर, मणिपुर के कामजोंग जिले में तांगखुल नगा समुदाय के चार लोगों के गोलियों से छलनी शव मिले। दरअसल, मणिपुर में हिंसा के एक जटिल दुश्क्रम में पहुंच जाने की वजह सरकार की वह अनदेखी है, जो सामान्य दिनों में की गई।मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विवाद ने कुकी-जो समुदाय के साथ टकराव का रूप ले लिया और मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई। उससे पहले ही अगर सरकार ने जरूरी सजगता दिखाई होती, तो हालात यहाँ तक नहीं पहुंचते। आज भी न केवल कुकी-जो और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक टकराव जारी है, बल्कि उस हिंसा का विस्तार अन्य समुदायों तक भी हो गया है। सवाल है कि अक्सर सब कुछ ठीक हो जाने का दावा करती केंद्र और राज्य सरकार के भीतर इस समस्या को खत्म करने और टकराव के मोर्चे पर खड़े अलग-अलग पक्षों के बीच संवाद कायम कर एक हल तक पहुंचने की इच्छाशक्ति क्यों नहीं दिखती !

ग्लोबल मिशन पर निकलेंगे पीएम मोदी,दिसम्बर में यूएस,कनाडा, यूरोप यात्रा से नया इतिहास रचने की तैयारी

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी के इस कूटनीतिक अभियान का सबसे बड़ा पड़ाव अमेरिका हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के 14-15 दिसंबर को मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने की संभावना है। यदि यह यात्रा होती है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय मुलाकात का भी रास्ता खुल सकता है। भारत की कूटनीतिक गतिविधियां दिसंबर महीने में एक बड़े रणनीतिक अभियान का रूप लेने जा रही हैं और अब पूरी दुनिया मोदी की कूटनीति का कमाल देखने वाली है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित बहु-देशीय यात्रा में अमेरिका, कनाडा और यूरोप के कम से कम दो देशों को शामिल किए जाने की तैयारी की खबर है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने अभी यात्रा कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन साफ संकेत मिल रहे हैं कि भारत दिसंबर को केवल राजनयिक यात्राओं का महीना नहीं, बल्कि व्यापारिक समझौतों, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शक्ति-संतुलन को साधने के अवसर के रूप में देख रही है। मोदी के इस कूटनीतिक अभियान का सबसे बड़ा पड़ाव अमेरिका हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के 14-15 दिसंबर को मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने की संभावना है। यदि यह यात्रा होती है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय मुलाकात का भी रास्ता खुल सकता है। इसी मंच पर चार देशों के

समूह क्रॉड की संभावित बैठक भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होगी। देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों में इस समय व्यापार और रूस से जुड़े मुद्दे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर लगभग सहमति बन चुकी है, लेकिन इस पर यूएफ कोरसे पहले भारत अपने निर्यातकों के हित और उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को सुनिश्चित करना चाहता है। साफ है कि मोदी सरकार सिर्फ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए जल्दबाजी में नहीं है, बल्कि वह ऐसा करार चाहती है जिसका सीधा और ठोस फायदा भारतीय उद्योग और निर्यातकों को मिले। यहीं से भारत की कूटनीति का दूसरा और अधिक कठिन पक्ष सामने आता है। अमेरिका ने रूस और ईरान से जुड़े नए प्रतिबंध कानून के जरिए रूस की ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाने की संभावना का रास्ता खोला है। इसका सीधा असर भारत की ऊर्जा रणनीति पर पड़ सकता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रबियो के साथ बातचीत में भारत की आर्थिक और रणनीतिक चिंताओं को रखा। अमेरिका की ओर से भी यह संकेत दिया गया कि ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर साझेदार देशों की चिंताओं को ध्यान में रखा जाएगा। यहां भारत की नीति को समझना जरूरी है। नई दिल्ली ने तो रूस से संबंध तोड़ रहे हैं और न ही अमेरिका से दूरी बना रही है। सितंबर में मोदी और व्लादिमीर पुतिन की

मुलाकात में ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और यूक्रेन युद्ध पर चर्चा हुई। मोदी ने रूस के सामने भी युद्ध को समाप्त करने और संवाद व कूटनीति के रास्ते आगे बढ़ने की बात रखी। इसी दौरान भारत के विदेश मंत्री की यूक्रेन यात्रा ने यह संदेश दिया कि भारत केवल एक पक्ष से बात करने वाली शक्ति नहीं, बल्कि अलग-अलग शक्ति केंद्रों से संवाद बनाए रखने वाला देश है। यही इस वर्ष की भारतीय कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यूक्रेन युद्ध जारी है, पश्चिम एशिया में संघर्ष और ऊर्जा आपूर्ति पर संकट की आशंका बनी हुई है, अमेरिका-रूस तनाव गहरा रहा है और चीन के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। ऐसे वातावरण में भारत ने रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका के साथ व्यापार तथा रणनीतिक सहयोग बढ़ाया, यूरोप के साथ आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी मजबूत की और यूक्रेन के साथ शांति संबंधी संवाद जारी रखा। उधर, यूरोप के मोर्चे पर भारत को बड़ी उपलब्धि मिल चुकी है। भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी 2026 को मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता पूरी की। सितंबर में यूरोपीय आयोग ने समझौते को हस्ताक्षर और अनुमोदन के लिए परिषद के समक्ष पेश कर दिया। प्रस्तावित समझौते के तहत यूरोपीय संघ के भारत को होने वाले 96 प्रतिशत से अधिक माल निर्यात पर शुल्क घटाने या समाप्त करने की व्यवस्था है। इसलिए दिसंबर में ब्रसेल्स में औपचारिक हस्ताक्षर की संभावना केवल व्यापारिक

घटना नहीं होगी; यह भारत-यूरोप संबंधों के व्यापक रणनीतिक विस्तार का प्रतीक भी बन सकती है। कनाडा भी इसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मार्च 2026 में मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया था। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर तक ले जाने की महत्वाकांक्षा भी जताई है। कार्नी ने जून में मोदी के साथ मुलाकात के दौरान संबंधों में सकारात्मक गति और आपूर्ति शृंखलाओं, ऊर्जा तथा खाद्य सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया था। यदि दिसंबर में कनाडा और ब्रसेल्स के पड़ाव जुड़ते हैं तो भारत एक ही यात्रा में उत्तर अमेरिका और यूरोप के दो महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्रों से संबंधों को नई दिशा दे सकता है। जर्मनी में अंतर-सरकारी परामर्श की संभावित बैठक इस कूटनीतिक अभियान को और व्यापक बना सकती है। देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सामरिक अर्थ केवल इतना नहीं है कि भारत नए बाजार खोल रहा है। असली लक्ष्य आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, रक्षा साझेदारी और किसी एक शक्ति-केंद्र पर अत्यधिक निर्भरता से बचाव है। भारत-यूरोपीय संघ के बीच जनवरी में हुए समझौते के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी भी आगे बढ़ी है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और आतंकवाद-रोधी सहयोग शामिल हैं।

विचार/मंथन

आदिवासी विकास की असली कसौटी-योजनाएं बढीं, लेकिन हक और अवसर कितने मिले?

(निमिषा सिंह)

सरकारी योजनाओं ने जीवन कितना बदला, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार कितना मजबूत किया और शिक्षा, रोजगार व अवसरों तक पहुंच कितनी बढ़ाई। आदिवासी विकास की असली कसौटी क्या है? आदिवासी समुदाय के विकास की पड़ताल अमूमन पक्की सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी योजनाओं के भारी-भरकम आंकड़ों से ही शुरू होती है। बेशक, किसी भी समाज की तरक्की के लिए इन बुनियादी सुविधाओं का होना पहली शर्त है। बीते कुछ वर्षों में केंद्र और राज्यों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर केंद्रित कई नीतियां बनाई हैं। ‘पीएम-जनमन’ और ‘धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान’ इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। धरती आबा अभियान के जरिए 17 मंत्रालयों की 25 योजनाओं को मिलाकर 63,843 आदिवासी गांवों के विकास का ‘मास्टरप्लान’ तैयार किया गया है, ताकि आने वाले पांच वर्षों में पांच करोड़ से अधिक आदिवासियों तक इसका सीधा फायदा पहुंच सके। लक्ष्य बड़ा है, लेकिन यहीं से आदिवासी विकास का असली विमर्श शुरू होता है। सवाल यह नहीं कि योजनाएं हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनका लाभ मिला या नहीं। अगर कोई सुविधा मिली, तो क्या वह अवसर में बदली? और अवसर मिला, तो क्या वह अधिकार में तब्दील हुआ? अगर इन सवालों के जवाब ‘हां’ हों, तभी कोई सड़क महज रास्ता न रहकर विकास की रेखा बन पाती है।

शिक्षा और संस्कृति – आदिवासी बच्चों की शिक्षा पर हमारी सोच अक्सर स्कूल के गेट पर खत्म हो जाती है। बच्चा स्कूल पहुंच गया, दाखिला हो गया मतलब सब ठीक हो गया। मगर असल कहानी इस चौखट के भीतर से शुरू होती है। सरकार कागजों पर एकलव्य विद्यालयों के आंकड़े गिनाती है- 728 स्वीकृत, 518 चालू और 1.70 लाख बच्चे। मगर इमारतों से ज्यादा जरूरी उनके भीतर की हकीकत है। क्या वहां पर्याप्त शिक्षक हैं? क्या शुरुआती पढ़ाई उनके अपने परिवेश से जुड़ती है? जब बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए परिवार से दूर इन आवासीय विद्यालयों में रखा जाता है, तो उनकी सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की जिम्मेदारी और भी गंभीर हो जाती है। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली में आदिवासी आश्रम स्कूल में बिस्तर के अभाव में जमीन पर सो रही तीन बच्चियों की सांप के काटने से हुई मौत का



मामला इसी सवाल को सामने लाता है। एकलव्य विद्यालयों में स्थानीय भाषाओं और संस्कृति को जगह देने की पहल जरूर की गई है, लेकिन सिर्फ व्यवस्था बना देना काफी नहीं। स्थानीय भाषा से परिचित शिक्षक न हों, तो बच्चों से सहज संवाद मुश्किल होता है। कई जगह यह व्यवस्था महज खानापूर्ति साबित हो रही है। शिक्षा आदिवासी बच्चों को आगे बढ़ाए, लेकिन उनकी भाषा और पहचान को पीछे छोड़े बिना। यही संतुलन शिक्षा को सही मायने में अवसर बना सकता है।

सुविधाओं की हकीकत – आदिवासियों के स्वास्थ्य की सच्चाई सिर्फ अस्पतालों या स्वास्थ्य केंद्रों की गिनती से तय नहीं होती। मीलों का सफर, आने-जाने का खर्च और स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक एवं दवाओं की गैरमौजूदगी, सुविधाओं की इन इमारतों को बेमानी कर देती है। मातृ स्वास्थ्य से लेकर कुपोषण और मलेरिया जैसी समस्याएं इसी आधी-अधूरी व्यवस्था का नतीजा है। ‘पीएम-जनमन’ के तहत चल रही 800 से ज्यादा सचल चिकित्सा इकाइयां एक अच्छी पहल जरूर हैं, लेकिन इनका कभी-कभार गांव पहुंचना और जरूरत पड़ने पर (जैसे सुरक्षित प्रसव या गंभीर बीमारी में) तुरंत इलाज मिलना, दोनों बिल्कुल अलग बातें हैं। आदिवासी आबादी को प्रभावित करने वाली आनुवंशिक बीमारी ‘सिकल सेल’ इस चुनौती की सबसे बड़ी मिसाल है। सरकारी अभियान के तहत 16 जुलाई,

2026 तक 7.24 करोड़ लोगों की जांच हुई, जिनमें से इस बीमारी के 2,47,961 मरीज पाए गए, जबकि 20,35,181 लोगों की पहचान इस बीमारी के वाहक के रूप में की गई। मगर हकीकत इन आंकड़ों से भी परे है। वर्ष 2026 में राजस्थान के अध्ययन और महाराष्ट्र की रिपोर्ट बताती हैं कि मीलों दूर स्वास्थ्य केंद्र, महंगा इलाज, खस्ताहाल ढांचा और कर्मियों की कमी मरीजों के रास्ते की बड़ी दीवार है। बीमारी पकड़ में आने के बाद सुविधाओं के अभाव और सामाजिक झिझक के कारण नियमित जांच कराना बहुत कठिन हो जाता है।

आजीविका का आधार – आदिवासी समाज के लिए जल, जंगल और जमीन सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। उनकी रोजमर्रा की कई जरूरतें इन्हीं से जुड़ी हैं। ऐसे में किसी इलाके में खनन, उद्योग, सड़क या दूसरी परियोजना आती है, तो उसे सिर्फ विकास कह देना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना होगा कि उससे स्थानीय लोगों की जमीन, आजीविका और पर्यावरण पर क्या असर पड़ा तथा फैसले में उनकी आवाज कितनी शामिल थी। इस संदर्भ में वन अधिकार कानून, 2006 महत्वपूर्ण है। इसके तहत जंगल पर लंबे समय से निर्भर परिवार और समुदाय अपने पारंपरिक अधिकारों की मान्यता के लिए दावा कर सकते हैं। 30 जून, 2026 तक देश भर में ऐसे 54 लाख से अधिक व्यक्तिगत दावे सरकारी महकमों को प्राप्त हुए थे, जिनमें

करीब 25.42 लाख को मंजूरी देकर अधिकार-पत्र दिए गए। इनमें से दस लाख से अधिक दावे अभी लंबित थे। इसी अवधि में 19,845 सामुदायिक वन अधिकारों को भी मान्यता दी गई। मगर कागज पर अधिकार मिलना और जमीन पर उसका लाभ मिलना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कई जगह प्रक्रिया की जानकारी का अभाव, दस्तावेजों की जटिलता और प्रशासनिक अड़चनें रास्ता रोक देती हैं। आदिवासी इलाकों से पलायन को सिर्फ रोजगार की तलाश मान लेना तस्वीर के एक हिस्से को ही दर्शाता है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के मुताबिक, करीब अस्सी फीसद आदिवासी आबादी खेती और जंगल आधारित आजीविका पर निर्भर है। ऐसे में अगर जमीन, वन उपज और स्थानीय काम के अवसर कमजोर पड़ते हैं, तो गांव में टिके रहना भी मुश्किल होता जाता है। सवाल यह भी है कि क्या विकास गांव में इतनी आजीविका छोड़ रहा है कि लोगों को अपनी जमीन और घर छोड़कर रोजी की तलाश में बाहर न जाना पड़े?

निर्णय में भागीदारी – जीडीपी की बहसों के बीच क्या हमारी नजर कभी उस अर्थव्यवस्था पर जाती है, जो पूरी तरह आदिवासी महिलाओं के कंधों पर टिकी है? महुआ बीनने से लेकर घर और खेत तक- यह वह श्रम है, जो कहीं दर्ज नहीं होता। मगर विडंबना देखिए, जब भी जल, जंगल या जमीन की नीतियां बदलती हैं, सबसे गहरी चोट इन्हीं पर पड़ती है। ‘वन धन विकास केंद्र’ जैसी योजनाएं कागजों पर शानदार लगती हैं। अगस्त 2026 तक के सरकारी आंकड़ों में ऐसे हजारों केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। मगर जमीनी हकीकत में ये आंकड़े तब तक बेमानी हैं, जब तक महुआ और शहद जैसे उत्पादों का आदिवासियों को उचित दाम नहीं मिल पाता। बदलाव तब दिखेगा, जब मुनाफे का सीधा हिस्सा संबंधित आदिवासी महिलाओं की मुट्ठी में जाएगा। बात सिर्फ रोजगार की ही नहीं, बल्कि उनके अपने ही संसाधनों पर हक की भी है। इसके साथ ही आदिवासी युवाओं के लिए नजरिए को भी बदलना होगा। उन्हें सिर्फ ‘कौशल विकास’ के प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि अपना काम शुरू करने के लिए आसान पूंजी और डिजिटल बाजार तक ठोस पहुंच भी जरूरी है। आदिवासी विकास की असली कसौटी यही है कि नीतियां उनके लिए नहीं, उनकी भागीदारी से बनें। ग्रामसभा, महिलाओं, युवाओं और उनके अनुभवों एवं समझ को फैसले की प्रक्रिया में जगह मिलनी चाहिए।

वर्ग पहली 6228

1	2	3	4	5	6
7					8
				9	
10	11		12		
			13		
14					
				15	16
17				18	

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1961 को इस अमेरिका के प्रथम अश्वेत एवं 44 वें राष्ट्रपति ने जन्म लिया था (6)
7. नियंत्रण या सम्भानन करना (5)
8. सड़क, मार्ग (अंग्रेजी) (2)
9. पहल-पहर पर घंटा बजने का शब्द, समय जोष (3)
10. चोचला, ठसक, हाव-भाव (3)
12. अज्ञात, अप्रसिद्ध, नामहीन, अख्यात
13. दृढ़दर्शन पर पूर्व प्रसारित धारावाहिक महाभारत के संगीतकार (5)
14. युवराज, नवव्यव्हाद, पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध चरित्र अभिनेता (5)
17. भवमान, ईश्वर, प्रभु (4)
18. जिनगी, हवाव, पुरानी फिल्मों के ये अभिनेता अपनी खल-भूमिका के लिए जाने जाते थे (1915-1987) (3)
ऊपर से नीचे
1. यह अरब देश है जिसमें 33 छोटे-छोटे द्वीप शामिल हैं इस देश की राजधानी मनामा है (4)
2. लार, वार्निश, गोंद (2)
3. क से ह तक की वर्णमाला (4)
4. अभिमुखता, दिशा में, तरफ (2)
5. वैष, वित्यास, पहनाना, पोशाक (2)

6. मुगल शासक अकबर के शासन काल में नवरत्नों में से एक थे जिसने भूमि पैमहंश का आयोजन किया था (5)
8. वह डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (5)
9. खुशबू, महक, संगीत का विशेष केंपन (3)
11. शास्त्रीय संगीत में पड़ज स्वर (3)
12. परस्पर निर्वाह या जीवन निर्वाह, रास्ता (3)
13. महर्षि वाल्मीकि का प्रसिद्ध पौराणिक ग्रंथ (4)
14. प्रेम करना, अजीब मानना, दिल में जगह देना, मन लगाना, गैहना (3)
15. 332 द्वीप वाले द्वीपसमूह की राजधानी सूबा है (3)
16. गौरव की भावना, प्रतिज्ञा, संकल्प (2)

वर्ग पहली 6227 का हल									
ज	व	द	ख	ग	घ	ङ	च	ट	ड
ज	म	न		वा	त		प		
द		दा	वा		ह	स	क		
वा	व	र		गा	ड़	र			
	र		रे		स्ता		भू		
अ	ई	म		सो	नी	प	त		
द		सा	ना						
ट	ह	ल	ना		त	प	व		

तुला

आज,आर्थिक मामलों में

लाभदायक रहेगा ।आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा ।बिजनेस में आपको अच्छी डील मिलेगी। सामाजिक परिचय का भी आपको लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों और अधिकारियों से आपको सहयोग मिलेगा। तब लाइफ में आपको प्रेमी से सहयोग और सपोर्ट मिलेगा।

धनु

आज आर्थिक पक्ष

अनुकूल रहेगा। नौकरी में आपका काम सुरुचरू रूप से चलेगा।आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा। बिजनेस में कमाई से मन आनंदित होगा। परिवार से भी आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता रहेगी। कोई प्रसन्नतादायक खबर भी मिलेगी।

कृ्

आज,लाभ और उन्नति का मौका मिलेगा। आपको कारोबार और काम में लाभ और उन्नति का मौका मिलेगा। आपकी कोई चाहत भी पूरी होगी और लंबे समय से अटक रहा आपका कोई काम भी पूरा हो सकता है। भाई बहनों से किसी बात को लेकर तनाव चल रहा है तो उसे दूर कर पाने में आप सफलता पाएंगे।

वृश्चिक

आज काम में आपको

लाभ मिलेगा। भाई बहनों से आपको सहयोग मिलेगा। प्रॉपर्टी के काम में आपको लाभ मिलेगा। सरकारी क्षेत्र से संबंधित कोई काम है तो इसमें आपको सफलता मिलेगी। रुचिकर खानपान का भी आप आनंद ले पाएंगे। साहसिक निर्णय और प्रबंधन क्षमता का फायदा मिलेगा।

मकर

आज टीम वर्क का

फायदा मिलेगा।दिन कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा।कोर्ट कचहरी से जुड़े काम में आपको सफलता मिलेगी।नौकरी में आप टीमवर्क से काम को समय से पूरा कर पाएंगे। साझेदारी के काम में आपको फायदा मिल सकता है। किसी मित्र या सगे संबंधी की मदद करनी पड़ सकती है।

मीन

आज,प्रबंधन क्षमता का फायदा मिल सकता है।दिनअनुकूल बीतेगा। आपको विदेशी क्षेत्र से और प्रबंधन क्षमता का फायदा मिल सकता है।आर्थिक मामलों में आप बजट को संतुलित रख पाएंगे। मित्रों और पड़ोसियों से आपको सहयोग मिल पाएगा। कार्यक्षेत्र में काम में तेजी रहेगी।

आज का राशिफल

मेष

आज पारिवारिक जीवन के मामले में सुखद रहेगा।

पारिवारिक जीवने के मामले में सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम को पूरा करने के लिए तत्पर रहेंगे और सहकर्मियों से आपको सहयोग मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि टीम वर्क का भी आपको फायदा मिलेगा।

मिथुन

आज,आपको समय प्रबंधन

करना होगा।दिन कामकाज के लिहाज से अनुकूल रहेगा। कुछ पारिवारिक जिम्मेदारियों की वजह से आपको समय प्रबंधन करना होगा।आर्थिक मामलों में दिन खराबी रहेगा, कुछ अप्रत्याशित खर्च का भी आपको सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन आपका सुखद रहेगा।

सिंह

आज,आपको समय प्रबंधन

आपको बचना होगा।दिन मिलाजुला रहेगा।छोटी अवधि के निवेश के लिए कल का दिन आपके पक्ष में नहीं है इसलिए आपको इससे बचने की जरूरत है।आपके लिए सितारे बताते हैं कि आपको दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।

वृष

आज मानसिक तनाव

महसूस करेंगे।दिन मिलाजुला रहेगा।आपको किसी बात को लेकर मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।सेहत के मामले में भी आपको अपना ध्यान रखना होगा।नौकरी में आपके ऊपर काम का दबाव रह सकता है।बैंकिंग से संबंधित काम में आपको सफलता मिलेगी।भाई बहनों से आपको सहयोग मिलेगा।

कर्क

आजप्रतिष्ठा और लाभ में वृद्धि होगी।दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा।आप बिजनेस में आर्थिक लाभ प्राप्त कर पाएंगे।।कोचिंग और शिक्षण के काम से जुड़े जातकों के लिए भी दिन अनुकूल रहेगा, प्रतिष्ठा और लाभ में वृद्धि होगी।वैवाहिक जीवन सुखद होगा।

कन्या

आज,प्रतिष्ठा और सम्मान

की प्राप्ति होगी।।आपका मनोबल ऊंचा रहेगा।प्रतिष्ठा और सम्मान की प्राप्ति होगी।कारोबार में आपको लाभ मिलेगा।कार्यक्षेत्र में आपको वरिष्ठ व्यक्तियों से सहयोग मिलेगा।पिता और पेटुक पक्ष से लाभ मिलने का संयोग बनेगा।।आपकी कोई पुरानी चाहत पूरी होने की खुशी मिलेगी।

संक्षिप्त

समाचार

कच्चे तेल के लिए हर बैरल पर कीमत से 22 ज्यादा चुका रही भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संकट गहराने के कारण कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। सोमवार को इंटरनेशनल बैचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 108 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थी। हालाकि इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि भारत की ऑयल रिफाइनरियों को फिजिकल क्रूड के लिए फ्यूचर्स कीमतों की तुलना में काफी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही हैं। इसकी वजह यह है कि खाड़ी देशों से सप्लाई सीमित बनी हुई है। एनजी इंपॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के स्पॉट-प्राइस डेटा के मुताबिक 1 से 22 सितंबर के बीच ब्रेंट स्पॉट कीमतें नवंबर ब्रेंट फ्यूचर्स कीमतों से औसतन लगभग 12 प्रति बैरल ज्यादा रही। 15 सितंबर को यह अंतर बढ़कर 22 तक पहुंच गया था। स्पॉट कीमत फिजिकल ब्रेंट मार्केट के लिए एक रेफरेंस प्रदान करती है, जहां क्रूड कार्गो की वास्तविक खरीद-बिक्री होती है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि फ्यूचर्स कीमतें फिजिकल मार्केट की मौजूदा स्थितियों को नहीं दर्शाती हैं। सप्लायर फ्यूचर्स कीमतों के ऊपर 20 प्रति बैरल तक का प्रीमियम मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिजिकल मार्केट टाइट है। इसका मुख्य कारण यह है कि खाड़ी देशों से सप्लाई सीमित है। ब्रेंट फ्यूचर्स कीमत वह कीमत है जिस पर फ्यूचर्स मार्केट में डिलीवरी के लिए एक स्टैंडर्ड कॉन्ट्रैक्ट का ट्रेड होता है। फिजिकल मार्केट की ऊंची कीमतें रिफाइनर की खरीद लागत को बढ़ा देती हैं। क्रूड कीमत के सौदे आमतौर पर डिलीवरी से लगभग दो महीने पहले तय किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, सितंबर में खरीदा गया कार्गो अक्टूबर में लोड हो सकता है और नवंबर में रिफाइनरी पहुंच सकता है। इसकी कीमत अक्टूबर (लोडिंग महीने) के फिजिकल-मार्केट बैचमार्क के औसत के आधार पर तय होगी। मुताबिक भारतीय बास्केट की कीमत 5 दिन पहले 123.7 अरब डॉलर थी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया कांट्रा फंड एनएफओ

मुंबई, एजेंसी। प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने प्रूडेंशियल कॉन्ट्रा फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो कॉन्ट्रैरियन इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी (बाजार के आम रुझान के उलट निवेश करने की रणनीति) पर काम करती है। कॉन्ट्रैरियन इन्वेस्टमेंट इस सोच पर आधारित है कि बाजार अक्सर एसेट्स की गलत कीमत तय करते हैं और यह गलत कीमत तय होना हर एसेट वलास (चाहे वह इक्विटी हो, डेट हो या रियल एस्टेट) की एक स्वाभाविक विशेषता है। यह न्यू फंड ऑफर निवेश के लिए खुल गया है। इसमें निवेशक आगामी 12 अक्टूबर तक निवेश कर सकेंगे। यह स्कीम ऐसे मौकों की पहचान करने के लिए आम राय से हटकर और रिसर्च पर आधारित तरीका अपनाती है। इसका लक्ष्य ऐसे निवेशक हैं जो लंबे समय के नजरिए से निवेश करना चाहते हैं और बाजार के मूड या धारणा के बदलने का इंतजार करने को तैयार हैं। म्यूचुअल



फंड की इस स्कीम को संकरन नरेन, धर्मेश कक्कड़, साक्षात गोयल और गौरव चिकने मिलकर मैनेज करेंगे। प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के संकरन नरेन का कहना है ‘ कॉन्ट्रैरियन इन्वेस्टिंग का मतलब सिर्फ सस्ती चीजें खरीदना नहीं है। इसके लिए मजबूत रिसर्च और लंबे समय का नजरिया चाहिए। कॉन्ट्रैरियन इन्वेस्टिंग की खासियत यह है कि हम तब खरीदते हैं जब किसी स्टॉक की मांग कम हो, जब खरीदारों के मुकाबले बेचने वाले ज्यादा हों और इसलिए उसकी कीमत काफी गिर गई हो।’ उनके बताबिक, इस स्कीम में अलग-अलग मार्केट कैपिटलाइजेशन में निवेश करने की सुविधा है, लेकिन हमारा मुख्य फोकस उन स्टॉक्स की पहचान करना होगा जिनका प्रदर्शन खराब रहा है। रिसर्च के जरिए सही निवेश को पहचाना जाए और इंतजार करने का धैर्य रखा जाए, क्योंकि कॉन्ट्रैरियन स्थिति में बदलाव जल्दी नहीं आता।

अर्थ/बाजार

भारत में जन्म, अमेरिका में पढ़ाई अब 1.73 लाख करोड़ का दांव...

ग्रुप के नाम के पीछे की कहानी



अमेरिका के नक्शे ने चौंकाया, कई राज्यों में भारतीय सबसे ज्यादा कमाने वाले प्रवासी

हर्ष गोयनका ने शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की आर्थिक सफलता को लेकर चेरमैन हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। साथ ही उन्होंने अमेरिका का एक नक्शा शेयर करते हुए वहां के अलग-अलग राज्यों में प्रवासी समुदायों की इनकम से जुड़ी तस्वीर दिखाई है। हर्ष गोयनका ने पोस्ट में लिखा है ‘अमेरिका भर में भारतीयों को अपनी कड़ी मेहनत, उद्यमशीलता और लगन के बल पर सफलता हासिल करते और आगे बढ़ते देखना गर्व की बात है। वे अपने साथ भारत की भावना लेकर चलते हैं। साथ ही जिस देश को वे अपना घर कहते हैं, उसकी तरक्की में भी अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।’

क्या है नक्शे में: हर्ष गोयनका की ओर से शेयर किए गए नक्शे का शीर्षक है। नक्शे में अमेरिकी राज्यों में प्रमुख प्रवासियों के बीच मीडियन इनकम के आधार पर तुलना दिखाई गई है। नक्शे के मुताबिक, कई अमेरिकी राज्यों में भारत में जन्मे प्रवासी प्रमुख प्रवासी समूहों में सबसे ज्यादा मीडियन आय वाले समूह के तौर पर दिखाई देते हैं। इनमें कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, मैरीलैंड, वाशिंगटन, इलिनॉय, जॉर्जिया,



किसी ने सराहा, किसी ने सवाल किया: हर्ष गोयनका की इस पोस्ट पर यूजर्स ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। किसी ने हर्ष गोयनका की पोस्ट को सराहा है तो किसी ने सवाल कर लिया है। लिखा है कि अन्य देशों में भारतीय क्या कर रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भारत में उनका प्रदर्शन विचारणीय है। यह योगदान भारत में होना चाहिए था, दुर्भाग्यवश हमने वैश्विक बाजारों को बेच दिया और पिछले 50 वर्षों से अभी भी विकसित राष्ट्र बनने का प्रयास कर रहे हैं।

नामक यूजर ने लिखा है, ‘भारत की आत्मा छल, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी है। मेहनत ये तो विशेषाधिकार के भूखे लोग हैं। इन्होंने झूठ्य से लेकर ममदानी तक अमेरिकियों को मूर्ख बनाया है।

मिशिगन, मिनेसोटा समेत कई राज्य शामिल हैं।

वहीं कुछ राज्यों में अलग-अलग देशों के प्रवासी समूह शीर्ष पर हैं। उदाहरण के लिए न्यूयॉर्क में इजरायल, मैसाचुसेट्स में भारत, पेंसिल्वेनिया में चीन, वर्जीनिया में दक्षिण कोरिया, फ्लोरिडा में कोलंबिया और हवाई में जापान को नक्शे में दिखाया गया है।

पढ़ाई के दौरान मुलाकात और बन गई बिजनेस स्ट्रेटेजी, 2.5 लाख से दो दोस्तों ने बनाई 70 लाख की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी दो दोस्तों माधव नारंग और अरहम जैन की है। गुरुग्राम में मास्टर्स यूनियन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान इनकी मुलाकात हुई। तभी से



इन दोनों ने बिजनेस स्ट्रेटेजी बनानी शुरू कर दी। दोनों ने जल्द ही अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम ‘खेत’ है। यह एक परफ्यूम ब्रांड है। अपनी अנוठी मार्केटिंग और देसी पहचान के दम पर यह अब तक 70 लाख रुपये की कमाई कर चुका है। इसकी शुरुआत सिर्फ 2.5 लाख रुपये से हुई थी। इसने भारतीय परफ्यूमेरी को बिल्कुल नया और ग्लोबल तेवर दिया है। आए, यहां माधव नारंग और अरहम जैन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

मास्टर्स यूनियन में बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई के दौरान माधव नारंग और अरहम जैन की मुलाकात हुई। दोनों ने भारत की समृद्ध संस्कृति और अנוठी यादों को खुशबुओं में ढालने के लिए इस ब्रांड की नींव रखी। इन्होंने पारंपरिक पश्चिमी या फ्रेंच परफ्यूमेरी की नकल करने के बजाय ‘चाय एंड रस’, ‘तोता केरी’, ‘काला पानी’ और ‘स्नेक चामर’ जैसे भारतीय नोट्स और अनुभवों पर आधारित परफ्यूम तैयार किए। ये देश की मिट्टी और रोजमर्रा की ज़िंदगी की सौंधी महक को दिखाते हैं। अपने पुराने ब्रांड स्वरूप को प्रतीकात्मक रूप से अलविदा कहने के लिए दोस्तों ने सोशल मीडिया पर पुराने नाम की अर्थां जैसी तस्वीरें शेयर करते हुए अनाखा ‘अंतिम संस्कार’ किया। पूरी तरह से अपने स्वदेशी उत्तर भारतीय नाम ‘खेत’ के साथ वापसी की। अक्टूबर 2025 में हुए इस रीब्रैंडिंग के बाद उन्होंने बिना किसी विदेशी नकल के शुद्ध भारतीय तेवर वाले उत्पादों पर फोकस किया।

2.5 लाख रुपये से हुई शुरुआत

इस स्टार्टअप का सफर आसान नहीं था। इसकी शुरुआत कनौज की गलियों से लेकर दिल्ली के परफ्यूमर्स तक के संघर्ष से जुड़ी है। शुरुआती दिनों में अपनी बचत और माता-पिता की मदद से 2.5 लाख रुपये जुटाकर इन युवाओं ने दिल्ली में ऑफलाइन पॉप-अप (टेम्परेरी स्टोर) के जरिए अपने ब्रांड को लॉन्च किया। बाद में यह 30-34 लाख रुपये के रेवेन्यू तक पहुंचा। हालांकि, शुरुआती सफलता के बावजूद संस्थापकों को लगा कि वे अपने ब्रांड को लेकर पूरी तरह प्रामाणिक नहीं हो पा रहे हैं। कारण है कि वे पश्चिम से प्रेरित नामों का इस्तेमाल कर रहे थे। इसी अंतर्द्वंद्व ने उन्हें एक बड़े रीब्रैंडिंग फैसले की ओर धकेला।

गिरते-गिरते सात हफ्ते के लो पर सोना, चांदी में भी 2,900 की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमत सोमवार को सात हफ्ते के लो पर पहुंच गई थी। आज भी इसमें ज्यादा बदलाव नहीं आया है। लेकिन एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार में गिरावट आई है। मिडिल ईस्ट में सप्लाई में रुकावट की चिंता के बीच तेल की कीमतों में लगातार दूसरे सेशन में बढ़ोतरी हुई है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर दिख रहा है। शुरुआती कारोबार में सोना 1,200 रुपये से अधिक गिर गया जबकि चांदी करीब 3,000 रुपये सस्ती हुई है। एमसीएक्स पर 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,46,804 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,46,776 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,266 रुपये की

गिरावट के साथ 1,45,538 रुपये तक फिसला। 11 बजे यह 482 रुपये यानी 0.33 फीसदी गिरावट के साथ 1,46,322 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

इसी तरह 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी भी पिछले सत्र 2,27,442 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 2,25,945 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 2,942 रुपये गिरावट के साथ 2,24,500 रुपये तक फिसली। सुबह 11.10 बजे यह 2,702 रुपये यानी 1.19 फीसदी गिरावट के साथ 2,24,740 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। फिजिकल मार्केट में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुडरिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 1,370 रुपये की गिरावट के साथ 1,48,800 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।



पैसा बनाने की मशीन! 6 महीने में 33 प्रतिशत तक धांसू रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों ने भारतीय शेयर बाजार को तगड़ा झटका दिया है। बीते 28 सितंबर को मार्केट में 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस दौरान लोग मार्केट में डायरेक्ट निवेश करने की बजाय म्यूचुअल फंड्स की ओर रुख कर रहे हैं। इस बीच हम यहां इक्विटी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स से चार ऐसे फंड की बात कर रहे हैं।

भारतीय कारोबारी समूह एस्सार ग्रुप अमेरिका में करीब 18 अरब डॉलर (लगभग 1.73 लाख करोड़ रुपये) का बड़ा निवेश करने जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में इसकी घोषणा की। एस्सार की अमेरिकी सब्सिडियरी आयोवा में अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बनाने की योजना पर काम करेगी। ट्रंप के मुताबिक, यह प्लांट हर साल करीब 1 करोड़ टन स्टील का उत्पादन करेगा। हालांकि यह भारत के कुल सालाना स्टील उत्पादन की तुलना में कम है, लेकिन अमेरिका में एक ही जगह पर बनने वाले सबसे बड़े स्टील प्लांट्स में शामिल होगा। इस प्रोजेक्ट की खास बात इसका इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन मॉडल है। एस्सार मिनेसोटा में अपनी आयर्न-ओर माइन से कच्चा माल निकालेगा और उसी का इस्तेमाल आयोवा के नए स्टील प्लांट में किया जाएगा। एस्सार के चेयरमैन रेवंत रुइया ने बताया कि उनका परिवार मिनेसोटा में एक नई आयर्न-ओर माइन के लिए करीब 3 अरब डॉलर



का निवेश कर रहा है। उनके मुताबिक, यह अमेरिका में करीब 50 वर्षों में शुरू होने वाली पहली नई आयर्न-ओर माइन होगी। ट्रंप ने भी

परियोजना की इस खासियत पर जोर देते हुए कहा कि यहां स्टील की पूरी प्रक्रिया (माइन से लेकर पिघलाने और तैयार करने तक) अमेरिका में ही होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस परियोजना से निर्माण के दौरान करीब 6000 नौकरियां पैदा होंगी, जबकि प्लांट और माइन के संचालन से लगभग 2000 स्थायी मैनुफैक्चरिंग और माइनिंग नौकरियां मिलेंगी। ट्रंप के अनुसार, अगले करीब 10 वर्षों में एडवॉस स्टीलमेकिंग टेक्नोलॉजी के जरिए यह परियोजना विकसित की जाएगी।

HIMACHAL PRADESH JAL SHAKTI VIBHAG					
"Notice Inviting e-tender"					
The Executive Engineer Jal Shakti Division Pragrah invites following e- tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following work through e-tendering process:-					
Sr. No.	Name of work	Estimated cost	Earnest money	Cost of tender form	Time limit
1	PDNA Works under LWSS Bagli Chalai in Tehsil Pragpur Distt. Kangra (HP) (SH- C/O RCC Infiltration Gallery, C/O RCC Storage tank of 100000 Ltr Capacity & Supply and erection of pumping machinery)	28,90,610.00	57,820.00	2000.00	Three Months
Last date of filling/ uploading the tender through e-tendering -> 05.10.2026 upto 11.00 P.M. The tender form and other detailed conditions can be obtained from the website www.Hpiph.org .					
Sd/- Executive Engineer, Jal Shakti Division Pragrah				R.No.3763/2026-2027	



अनोखा पक्षी चातक जो पीता है सिर्फ बारिश का पानी

दुनिया में आपको पक्षियों की बहुत सी प्रजातियां देखने को मिल जाएंगी। जैव विविधता के साथ अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग तरह की पक्षी पाई जाती हैं। किसी को दिन में दिखाई नहीं देता तो कोई अपना घोंसला नहीं बनाता है। यही नहीं, कुछ पक्षी ऐसे भी हैं, जिसे केवल रात में दिखाई देता है। इस तरह के और भी कई गुणों से मशहूर विश्व में कई ऐसे पक्षी हैं, जो काफी मशहूर हैं। एक ऐसा ही पक्षी भारत में भी पाया जाता है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के स्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है, बल्कि वह बारिश के पानी पर ही आश्रित होता है। इसकी यही खासियत है कि यह सिर्फ बारिश का पानी ही पीता है। बरसात के पानी पर जिंदा उस पक्षी का नाम- जैकोबिन कोयल यानी चातक है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के किसी स्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है। इस पक्षी को कई जगहों पर पपीहा भी कहा जाता है। इसकी अनोखी बात यह है कि अगर चातक पक्षी को साफ पानी की झील में भी डाल दिया जाए तो भी यह अपनी चोंच बंद कर लेता है और पानी नहीं पीता है। धरती पर मौजूद सबसे अनोखे जीवों में से एक है, जिसे कितनी भी प्यास क्यों न लग जाए, वह किसी भी तरह का पानी नहीं पीता है। यहां तक कि इकट्ठा किया हुआ बारिश का पानी भी नहीं वो नहीं पीता है।

भारत में कहाँ पाया जाता है यह पक्षी?

भारत में यह पक्षी मुख्य रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। उत्तराखंड के गढ़वाल में इसे चोली कहते हैं। गढ़वाल के लोगों के अनुसार यह बस आसमान की ओर देखता रहता है। चातक को मारवाड़ी में मधवा और पपीया भी कहते हैं। यह एक लंबी पूंछ वाला पक्षी है, जिसके सिर पर एक कलगी होती है। पक्षी का आकार लगभग मैना के बराबर होता है। इस पक्षी का वैज्ञानिक नाम क्लेमेटर जैकोबिन्स है। बारिश के पानी के बिना भी यह पक्षी कई दिनों तक जीवित रह सकता है। ऐसा कहा जाता है कि जब इस पक्षी को प्यास लगती है तो यह बारिश के देवता को बुलाता है।



दुनिया की इकलौती जगह जिस पर कोई देश नहीं करता है दावा

रेड सी के पास स्थित इस जगह पर ना पानी है और ना ही पेड़-पौधे या कोई जानवर

धरती पर कई ऐसी जगह हैं, जो ‘नो मैन्स लैंड’ की श्रेणी में आती हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, ‘नो मैन्स लैंड’ दो देशों की सीमाओं के बीच का वो खाली इलाका होता है, जिसे कोई भी देश कानूनी तौर पर नियंत्रित नहीं करता है। हालांकि उस जगह पर कोई भी कानूनी दावा कर सकता है। अफ्रीका में भी एक ऐसी ही जगह है, जिसपर किसी भी देश का अधिकार नहीं है और ना ही कोई देश उसपर अपना अधिकार चाहता है।



इस जगह का नाम है बीर ताविल। 2,060 वर्ग किलोमीटर में फैला यह इलाका मिस्र और सूडान की सीमाओं के बीच है। 20वीं सदी की शुरुआत में यह इलाका तब अस्तित्व में आया था, जब मिस्र और सूडान ने अपनी सीमाएं कुछ इस तरह से बनाई थी कि ये इलाका दोनों देशों में से किसी का भी नहीं रहा। दरअसल, बीर ताविल एक सूखाग्रस्त इलाका है और यहां की जमीन बंजर है, जिसपर कुछ भी उगाना लोहे के चने चबाने के समान है। यही वजह है कि इस जगह पर कोई भी अपना दावा नहीं करना चाहता। हालांकि इस इलाके ने कई लोगों को अपनी तरफ आकर्षित जरूर किया है।

साल 2014 में अमेरिका के वर्जीनिया के एक किसान ने बीर ताविल में एक झंडा लगा कर खुद को ‘उत्तरी सूडान के राज्य’ का गवर्नर घोषित किया था। दरअसल, वो चाहते थे कि उनकी बेटी राजकुमारी बने। इसके बाद साल 2017 में मध्यप्रदेश के इंदौर के रहने वाले सुयश दीक्षित ने खुद को ‘किंगडम ऑफ दीक्षित’ यानी बीर ताविल का राजा घोषित किया था और अपने पिता को यहां का प्रधानमंत्री बनाया था। उन्होंने अपना राष्ट्रीय



ध्वज भी बनाया था और उसे बीर ताविल की जमीन पर गाड़कर लहराया भी था। सुयश ने अपने देश के लिए राष्ट्रीय पशु का भी चुनाव किया था। दरअसल, इस रेगिस्तानी इलाके में उन्हें छिपकली के अलावा और कोई जीव दिखाई नहीं दिया था, इसलिए उन्होंने छिपकली को ही राष्ट्रीय पशु बनाने का विचार किया था। जमीन को लेकर देशों के बीच विवाद के कई उदाहरण हम देखते हैं। लेकिन एक जगह ऐसी भी है जिस पर कोई भी देश दावा नहीं करना चाहता। इस जगह के समीप स्थित देश सूडान इसे अपना इलाका नहीं मानता। ना ही मिस्र ने इसे अपने कब्जे में लिया है। यहां तक कि दुनिया का कोई भी देश इस जगह को अपने कब्जे में नहीं लेना चाहता।

क्यों इस रेगिस्तानी इलाके पर नहीं है किसी का कोई हक

- 1899 में ग्रेट ब्रिटेन ने सूडान और मिस्र की सीमाएं तय कीं। मगर उस वक़्त इन दोनों ही देशों ने इस जमीन पर अपना अधिकार नहीं मांगा। इस वजह से इसे नो मैन्स लैंड कहा जाता है।
- खुद मिस्र और सूडान के बीच भी सीमा बंटवारे का विवाद है, लेकिन वह हालाएब को लेकर है। हालाएब की प्रकृति बीर ताविल के बिल्कुल उलट है। करीब 21 हजार वर्ग किलोमीटर में फैला यह इलाका कुदरती संसाधनों का खजौरा है। इस पर दोनों देश हक जमाते हैं, लेकिन बीर ताविल के नाम पर मुंह फेर लेते हैं। हालांकि, आता यह है मिस्र के अंतर्गत ही है। यहां जाने के लिए मिस्र की आर्मी की इजाजत लेनी पड़ती है।
- अब सवाल ये उठता है कि बीर ताविल इलाका सुनसान और लावरिस सा क्यों हैं, क्यों कोई देश इस पर अपना दावा नहीं ठोकता है। दरअसल, रेड सी के पास स्थित इस जमीन पर रेगिस्तान है। ये इतना वीरान है कि यहां ना ही पानी है ना ही पेड़-पौधे हैं, ना ही जानवर रहते हैं। यहां बेहद गर्म हवाएं चलती हैं और इलाका पूरा सूखा है। इस वजह से यहां किसी का बच पाना लगभग असंभव है।



गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है।

आपने कभी गौर किया है कि आपके घर में आने वाले गैस सिलेंडर पर कुछ अंक और अक्षर लिखे होते हैं? ये कोड यूं ही नहीं लिखे होते हैं, इनका एक खास मतलब होता है। ये कोड सिलेंडर की सुरक्षा और उसकी मरम्मत से जुड़ी जरूरी जानकारी देते हैं।

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है। अक्षरों के बाद लिखा नंबर सिलेंडर के एक्सपायर होने वाले साल के बारे में बताता है। जैसे, अगर आपके सिलेंडर पर C-27 लिखा है, तो इसका मतलब है कि आपका रसोई गैस सिलेंडर साल 2027 में जुलाई से सितंबर के बीच में एक्सपायर होगा। इसी तरह A-29 का मतलब है कि सिलेंडर की एक्सपायरी 2029 अप्रैल तक है। गैस सिलेंडर की अधिकतम लाइफ 15 साल होती है। इस दौरान गैस कंपनियां उस सिलेंडर की दो बार जांच करती हैं। पहला टेस्ट 5 साल पूरे होने पर और दूसरा टेस्ट 10 साल बाद किया जाता है। ये परीक्षण विवरण सिलेंडर के ऊपर भी लिखे होते हैं। अगर दोनों तिथियां बीत चुकी हैं, तो उस सिलेंडर को लेने से मना कर देना चाहिए। ऐसा न करने पर विस्फोट का खतरा बढ़ जाता है।

गैस सिलेंडर में एबीसीडी का मतलब क्या होता है?

- गैस सिलेंडर पर लिखे कोड में A, B, C और D का मतलब महीनों से होता है। इन अक्षरों को तीन-तीन महीनों में बांटा गया है।
 - A का मतलब जनवरी, फरवरी और मार्च होता है।
 - B का मतलब अप्रैल, मई और जून होता है।
 - C का मतलब जुलाई, अगस्त और सितंबर होता है।
 - D का मतलब अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर होता है।
- इस कोड के साथ सिलेंडर पर साल भी लिखा होता है। जैसे, A-24, B-25, C-26 या D-27। इन कोड से यह पता चलता है कि सिलेंडर कब तक वैलिड है। अगर सिलेंडर पर D-27 लिखा है, तो इसका मतलब है कि यह साल 2027 में अक्टूबर से दिसंबर के बीच एक्सपायर हो जाएगा। इस तरह, सिलेंडर पर लिखे कोड से उसकी एक्सपायरी डेट का पता चलता है। गैस सिलेंडर पर ऊपर की तरफ तीन चौड़ी पट्टियां होती हैं। इनमें से एक पट्टी पर ही यह कोड लिखा होता है।

इन बातों पर ध्यान दे सकते हैं

- गैस सिलेंडर के कंधे वाले हिस्से पर गैस का नाम, निर्माता, वजन, दबाव, और आयतन के बारे में जानकारी होती है।
- सिलेंडर पर आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाए गए लेबल से भी सिलेंडर की सामग्री का पता चलता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर आमतौर पर घरेलू गैस सिलेंडर से बड़े होते हैं और इनका वजन भी ज्यादा होता है।
- घरेलू गैस सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर का वजन 19 किलो से लेकर 47.5 किलो तक हो सकता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर पाने के लिए, कमर्शियल गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करना होता है। इसके लिए, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निकटतम वितरक का पता लगाया जा सकता है। फिर, आवेदन पत्र और जरूरी दस्तावेज जमा करने होते हैं और सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होता है। इसके बाद, सदस्यता वाउचर और गैस उपभोक्ता कार्ड जारी किया जाता है।



दुनिया का सबसे महंगा और लक्जरी होटल बुर्ज अल अरब

इस दुनिया में छोटी से लेकर बड़ी और सस्ती से लेकर महंगी हर तरह की चीज और जगह मौजूद है। कोई सामान खरीदना हो या फिर किसी जगह जाना हो। हर व्यक्ति का अपना एक बजट होता है इसके हिसाब से वह अपने सारे काम करता है। अलग-अलग बजट के लोगों के हिसाब से अलग-अलग जगह पर सब कुछ उपलब्ध भी होता है। जिन लोगों का बजट कम या मध्यम होता है वह सामान्य तरह की चीज करके खुश रहते हैं और जिनका बजट ज्यादा होता है वह हमेशा लक्जरी चीजें करना पसंद करते हैं। अब जब बात लक्जरी के निकल गई है तो क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगी और लक्जरी होटल कहाँ पर होगी।

लगभग हर शहर में छोटी से लेकर बड़ी होटल उपलब्ध रहती है। सामान्य होटल से लेकर 5 स्टार 7 स्टार हर व्यक्ति अपनी पसंद और हैसियत के हिसाब से इन जगहों पर जाता है। आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे और लक्जरी होटल के बारे में जानकारी देते हैं जो दुबई में मौजूद है।



बुर्ज अल अरब

दुबई एक ऐसी जगह है जो अपनी ऊंची ऊंची और लक्जरी इमारतों के लिए पहचाना जाता है। जब आप यहां पर जाएंगे तो गगनचुंबी इमारतें और यहां मिलने वाली लक्जरी सुविधाएं देख कर हैरान हो जाएंगे। दुनिया का सबसे लक्जरी और महंगा होटल बुर्ज अल अरब है जो दुबई में ही मौजूद है। दुनिया के सबसे महंगे और लक्जरी होटल के रूप में प्रसिद्ध बुर्ज अल अरब से आप समुद्र के बेहतरीन नजारे देख सकते हैं। इस होटल के हर कमरे से दूर तक फैला हुआ

नीला समंदर दिखाई देता है। यहां आप रेस्तरां, बार, स्पा,स्विमिंग पूल, फ़िटनेस सेंटर जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

चढ़ी है सोने की परत

यह बात किसी को भी हैरान कर सकती है। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक इस होटल के दरवाजे से लेकर हर खंबे पर सोने की परत चढ़ी हुई है। यही इस होटल को लक्जरी बनाने का काम करती है।

दुबई का आइकॉनिक लैंडमार्क

यह होटल 321 मीटर ऊंची है और समुद्र के अंदर 148 फीट तक गई है। इसका आकार भी काफी खास है और यह दुबई की सबसे आइकोनिक लैंडमार्क में से एक मानी जाती है। दूर से ही यह होटल काफी खूबसूरत नजर आती है। अंदर जाने के बाद यहां की लक्जरी सुविधाएं हैरान करने वाली होती है।

लाखों रुपए है रुकने का खर्च

यह होटल इतना आलीशान है कि यहां जाने के बाद आपको राजा महाराजाओं वाली फीलिंग आने वाली है। यहां एक दिन रुकने का किराया 20 लाख रुपए तक लगता है। लेकिन लाखों रुपए के किराए में आपको जो सुविधा मिलेगी। वो आप जिंदगी में कभी नहीं भूल पाएंगे।





भारत का सर्फिंग अभियान बिना पदक के समाप्त

ताहारा । भारत ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में अपना पहला सर्फिंग अभियान बिना किसी पदक के समाप्त किया। किशोर कुमार अनबरसु आखिरी भारतीय थे, जो पुरुषों के शॉर्टबोर्ड क्वार्टर-फाइनल में बाहर हो गए। सर्फिंग ने एशियन गेम्स में आइची-नागोया 2026 में अपना डेब्यू किया और भारत ने ताहारा के

पैसिफिक लॉन बीच पर पुरुषों और महिलाओं के शॉर्टबोर्ड कॉम्पिटिशन में चार सदस्यीय समूह उतारा। 18 साल के भारतीय सर्फर किशोर का रन आखिरी आठ में फिलीपींस के टोबी एस्पेजोन से 8.53-5.37 की हार के साथ खत्म हुआ। टोबी ने अपनी दो वेक्स में 5.50 और 3.03 का स्कोर किया, जबकि किशोर

सिर्फ 3.00 और 2.37 ही बना सके। सर्फिंग में, किसी कॉम्पिटिटर का स्कोर उसकी सबसे ज्यादा स्कोर वाली दो वेक्स का टोटल होता है, जिसमें हर वेव को 10.00 में से आंका जाता है, जिससे अधिकतम स्कोर 20.00 होता है। किशोर ने तीसरे राउंड में चीन के मा वेनसोंग को 9.76-8.80 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अपने ओपनिंग-राउंड हीट में भी 9.33 पॉइंट्स के साथ टॉप किया था। भारत के दूसरे मेन्स शॉर्टबोर्ड एंट्रेंट, शिवराज बाबू, दूसरे राउंड में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दावूद खादिर को 8.96-3.60 से हराकर आगे बढ़े। शिवराज का कैपेन तीसरे राउंड

में खत्म हो गया, जहां वह फिलीपींस के जयुआर्ड एलिससो से 11.50-7.83 से हार गए। विमेंस शॉर्टबोर्ड में, कमाली प्रकाश और सुगर शांति गायेन भी तीसरे राउंड में बाहर हो गईं। कमाली इंडोनेशिया की जैस्मीन मिशेल स्टुडर से 1.64-5.93 से हार गईं, जबकि सुगर तीसरे राउंड में जापान की मिनामी नोनाका से 14.60-5.17 से हार गईं।

भारत ने मालदीव में एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप 2024 के जरिए पुरुष और महिला, दोनों कैटेगरी में एशियन गेम्स के कोटे हासिल किए, जहाँ उन्होंने कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में अपना पहला टीम सिल्वर मेडल भी जीता।

रजत पदक जीतकर लौटी मीराबाई चानू का दिल्ली में भव्य स्वागत : बोली- देश के लिए मेडल जीतना सपना था



निशियो । जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में 49 किग्रा महिला वेटलिफ्टिंग में जीता ऐतिहासिक सिल्वर मेडल कोच विजय शर्मा के साथ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं

स्तर वेटलिफ्टर हवाई अड्डे पर खेल प्रेमियों और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और तिरों के साथ किया जोरदार स्वागत

जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत का परचम लहराने के बाद स्तर वेटलिफ्टर साइखोम मीराबाई चानू मंगलवार को स्वदेश लौट आईं। महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतने के बाद मीराबाई चानू अपने मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि और उनके प्रशंसक मौजूद रहे।

स्वदेश वापसी पर मीडिया से बातचीत करते हुए मीराबाई चानू ने अपनी खुशी जाहिर की और इस पदक को अपने वर्षों के संघर्ष का परिणाम बताया।

परवीन हुड्डा मुक्केबाजी के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं

निशियो । भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शु को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया। परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं,

जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चिन निपन-चिन से होगा। यह मुकाबला कड़ा और रोमांचक होगा। निपन-चिन मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत के अंकुश पंघाल और नरेंद्र भी मंगलवार को अपने-अपने सेमीफाइनल में उतरेंगे। दोनों मुक्केबाज फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगे। भारत ने एशियन गेम्स में मुक्केबाजी में छह मेडल पक्के कर लिए हैं। सोमवार को कपिल पोखरिया, प्रिया घनघस और लवलीना बोरगोहेन ने अपने-अपने मुकाबले जीते। प्रिया ने क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा पर 5-0 से एकतरफा जीत के बाद महिलाओं की 60 किग्रा कैटेगरी में मेडल पक्का कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

पारुल चौधरी ने जीता दूसरा ‘ब्रॉन्ज’

नागोया । भारत की पारुल चौधरी ने ‘ एशियन गेम्स 2026 ’ में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है। पारुल ने महिलाओं की 5000 मीटर फाइनल रेस 15 :14.61 के समय के साथ पूरी करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, पारुल महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही थीं। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान की नोजोमी तनाका ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पारुल ने



रेस के आखिरी हिस्से में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए कजाकिस्तान की नोराह तानुई को छछाड़कर तीसरा स्थान हासिल किया। शुरुआत में तेज रफ्तार के बावजूद, भारतीय एथलीट ज्यादातर समय आगे चल रहे ग्रुप के काफी करीब बनी रहीं। तानुई ने शुरुआत में बढ़त बनाई और शेष धावकों से काफी आगे निकल गई, जबकि यावी पीछा करने वाले ग्रुप में शामिल हो गईं। शुरुआत में पारुल और उनकी साथी सीमा कुमार बीच में चल रही थीं, जबकि तानुई लगातार अपनी रफ्तार बढ़ाती रहीं। यावी ने आधे रास्ते के बाद अंतर कम करना शुरू किया और धीरे-धीरे खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में आ गईं। जब रेस अपने निर्णायक दौर में पहुंची, तो पारुल मेडल की दौड़ में बनी रहीं, जबकि सीमा पीछे छूट गईं। आखिरकार, यावी ने आखिरी लैप में बढ़त बना ली और अपनी रफ्तार बढ़ाई, जबकि तनाका बहरीन की धावक के साथ बने रहने की कोशिश करती रहीं।

भारतीय मूल की बोधना ने इतिहास रचा 11 साल की उम्र में बनी सबसे युवा महिला ग्रेंडमास्टर

नई दिल्ली । भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना शिवानंदन ने चेस में इतिहास रच दिया है। बोधना ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें चेस ओलंपियाड में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना तीसरा और अंतिम वुमन ग्रेंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) नॉर्म हासिल किया। इसके साथ बोधना इतिहास में वुमन ग्रेंडमास्टर का खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई। इंग्लैंड की महिला टीम के लिए टॉप बोर्ड पर खेलते हुए बोधना ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने छह गेम जीते और 8.0/11 का स्कोर



हासिल किया, जिससे इंग्लैंड महिला वर्ग में 15वें स्थान पर रहा। बोधना बोर्ड 1 पर टूर्नामेंट की 13वीं सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहीं। इससे पहले, सबसे युवा वुमन ग्रेंडमास्टर का रिकॉर्ड रूस की ग्रेंडमास्टर कैटरीना लेगनो के नाम पर था, जिन्होंने 12 साल की उम्र में खिताब जीता था। उनके अलावा, चीन की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन होउ यिफान ने भी 12 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। शिवानंदन की शतरंज यात्रा ‘कोविड- 19 लॉकडाउन’ के दौरान शुरू हुई थी। पिता के दोस्त ने भारत लौटते समय कुछ बैग बोधना के परिवार को दिए थे, जिसमें एक शतरंज बोर्ड भी था। इसी शतरंज बोर्ड ने बोधना की दिलचस्पी को बढ़ाया। उस समय उन्होंने खुद ही इस खेल के दांव-पैच सीखने शुरू किए थे। शिवानंदन ने यूरोपियन स्कूल्स चैंपियनशिप 2022 में सभी 24 मुकाबले जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था, जिसके एक साल बाद वह किसी ग्रेंडमास्टर के खिलाफ प्रतिस्पर्धी मुकाबले में हार न मानने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनीं।

एशियन गेम्स: नरेंद्र ने जीता ब्रॉन्ज मेडल



नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए

निशियो । एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में फजलिद्दीन एर्किनबोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अंकुश ने सेमीफाइनल में एर्किनबोव पर 4-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अंकुश पहले राउंड के आखिर में 1-4 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे पंचों के साथ करीबी मुकाबले में दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज दोनों बॉक्सरों में बेहतर रहे। उन्होंने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। पांच में से चार जजों ने अंकुश के पक्ष में वोट दिया और उन्होंने 4-1 से जीत हासिल की। चारों ने 29-28 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने उनके खिलाफ 28-29 का फैसला दिया।

नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए। ओरलबे ने अपने जोरदार मुक्कों से बाउट पर

दबदबा बनाया, जबकि नरेंद्र ने अच्छा खेला, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन को नीचे नहीं गिरा सके।

ओरलबे ने पहला राउंड 5-0 से जीता और उनके मुक्के अच्छे लगे। दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके जोरदार हमलों ने नरेंद्र को मुश्किल में डाल दिया। कजाख मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में डिफेंसिव रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज पर 5-0 से जीत हासिल की।

इस बीच, अंकुश, अमित पंघाल (49 किग्रा) के 2018 जकार्ता गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद एशियाड फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बॉक्सर बन गए हैं। यह मौजूदा गेम्स में बॉक्सिंग में भारत का दूसरा पक्का सिल्वर मेडल था।

शपथ पुरुषों के ट्रेप इंडिविजुअल फाइनल में पहुंचे

नागोया । ट्रेप शूटर शपथ भारद्वाज ने 117 पॉइंट्स के साथ क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों के ट्रेप शूटिंग इंडिविजुअल में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हांगझोउ 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले कायनन चेनाई 115 पॉइंट्स के साथ 16वें और अहवर रिजवी 107 पॉइंट्स के साथ 32वें स्थान पर रहे। दोनों फाइनल से चूक गए। शपथ इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में 117 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे और कतर के मोहम्मद अल-रुमाही और कजाकिस्तान के अलीशेर ऐसालबायेव के साथ तीन-तरफा शूट-ऑफ में शामिल हुए, जिसमें फाइनल में दो जगह दांव पर थीं। फिर उन्होंने आखिरी दो जगहों के

लिए एक नर्वस तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और अल-रुमाही को हराकर मेडल राउंड में अपनी जगह पक्की की। इस बीच, शपथ, कायनन और अहवर की ट्रेप मेन्स टीम 339 के टोटल स्कोर के साथ छठे

एशियन गेम्स: , टीम मेडल से चूकी

स्थान पर रहने के बाद मेडल से चूक गईं। इससे पहले, नीरू डांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की विमेंस ट्रेप टीम ने मंगलवार को विमेंस ट्रेप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे शूटिंग में देश के मेडलों की संख्या 13 हो गई। तीनों ने 125-शॉट के

क्वालीफिकेशन राउंड के तीन दिनों के बाद कुल 328 का स्कोर बनाया और सिल्वर के लिए कुवैत की चुनौती पर जीत हासिल की। चीन ने 346 के टोटल स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि कुवैत ने 325 के साथ ब्रॉन्ज जीता। नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहने के बाद इंडिविजुअल फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। आशिमा और मनीषा ने क्रमशः 106 और 104 का स्कोर किया और 16वें और 23वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल से चूक गईं। शूटिंग में 13 मेडल में से भारत के पास सिर्फ एक गोल्ड है, जो मिक्स्ड 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट से आया है।



यशवीर को सिल्वर, रोहित ने जीता ब्रॉन्ज

मेंस जैवलिन थ्रो में भारत का ‘डबल धमाल’

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में भारत ने दो मेडल हासिल किए। यशवीर सिंह ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीता, जबकि रोहित यादव ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता का गोल्ड मेडल श्रीलंका के रुमेश थारंगा ने हासिल किया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत के यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरा स्थान अपने नाम किया। यशवीर ने अपने छठे प्रयास में 85.72 मीटर की दूरी तय की। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 85.14 मीटर था। रोहित ने पहले प्रयास में 83.56 मीटर, दूसरे में 82.99 मीटर, तीसरे में 82.42 मीटर और चौथे प्रयास में 84.31 मीटर की दूरी तय की। उनका का पांचवां प्रयास 85.14 मीटर रहा था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम

प्रयास में सबसे अधिक दूरी तय की। वहीं, रोहित यादव ने 84.35 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। रोहित ने अपने तीसरे प्रयास में यह दूरी तय की थी। रोहित ने पहले प्रयास में 77.25 मीटर, दूसरे में 82.40 मीटर, तीसरे में 84.35 मीटर, चौथे में 82.16 मीटर और पांचवें प्रयास में 82.15 मीटर का थ्रो किया। हालांकि, उनका छठा प्रयास फाउल रहा। श्रीलंका के रुमेश थारंगा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। रुमेश ने

अपने चौथे प्रयास में 88 मीटर की दूरी को पार कर लिया था, जिसके बाद छठे और अंतिम प्रयास में 88.55 मीटर की दूरी तय करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। थारंगा ने पहले प्रयास में 73.53 मीटर दूरी तय की, जिसके बाद अगले प्रयास में 83.34 मीटर दूर भाला फेंका।



मंडी में खरीद, उठान, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था में कोताही बर्दाश्त नहीं: कृष्ण लाल पंवार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पंचायत,विकास एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने मंगलवार को पानीपत के इसराना की आधुनिक अनाज मंडी का दौरा कर धान की खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित खरीद एजेंसियों और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मंडी में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और किसान को फसल का एक-एक दाना खरीदा जाए।

उन्होंने मंडी में खरीद के साथ-साथ समय पर उठान, साफ-सफाई, सुरक्षा तथा किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसान की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाए और किसानों को मंडी में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। सरकार की प्राथमिकता है कि किसान अपनी फसल लेकर मंडी में आए तो उसे खरीद प्रक्रिया में किसी तरह की दिक्कत न हो।

उन्होंने कहा कि खरीद एजेंसियां निधारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर फसल की खरीद करें और खरीदी गई फसल का उठान भी समय पर सुनिश्चित किया जाए। मंडी में किसानों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहनी चाहिए। मंडी में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था हो, सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हों और खरीद तथा उठान की प्रक्रिया सुचारू रूप से चले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को मंडी में किसी सुविधा के लिए परेशान न होना पड़े। व्यवस्था में किसी भी स्तर पर कमी या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारी और एजेंसी इसके लिए जिम्मेदार होंगे।

एचटेट परीक्षा-2025 के अभ्यर्थियों के लिए बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन अनिवार्य

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के अध्यक्ष श्री शंकर लाल धूपड़ ने बताया कि 4 व 5 जुलाई, 2026 को आयोजित कारवाई गई हरियाणा अभ्यापक पात्रता (एचटेट) परीक्षा-2025 के अभ्यर्थियों के लिए बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन (Biometric Verification) प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य किया गया है। परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने से पूर्व संबंधित अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन (Biometric Verification) प्रक्रिया पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 4 अक्टूबर, 2026 को प्रदेश के 22 जिलों में बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन प्रक्रिया पूर्ण करवाने हेतु केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों से संबंधित अभ्यर्थी अपने साथ लगते जिला मुख्यालय पर पहुंचकर अपनी बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन प्रक्रिया पूर्ण करवा सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि विशेष परिस्थितियों में अभ्यर्थी 22 जिलों में स्थापित केन्द्रों में से किसी भी केन्द्र पर जाकर यह प्रक्रिया पूर्ण कर सकता है। अभ्यर्थी द्वारा अपना मूल प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) एवं मूल फोटो युक्त पहचान पत्र लेकर जाना अनिवार्य है। प्रदेश के 22 जिलों में जहां वेरीफिकेशन होनी है, उन विद्यालयों की सूची बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.bsche.org.in पर उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के समय दिए गए पंजीकृत मोबाइल नंबर ई-मेल पर भी इस आशय का संदेश भेजा जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित अभ्यर्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्धारित तिथि 04 अक्टूबर, 2026 को आवश्यक दस्तावेजों के साथ वेरीफिकेशन केन्द्र पर उपस्थित होकर अपनी बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन प्रक्रिया समय पर पूर्ण करवाएं।

ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता-2026 की घोषणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा ‘अपनी कल्पना से भविष्य को रंग दें’ संदेश के साथ ‘ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता - 2026’ का आयोजन किया जा रहा है। स्कूली बच्चों में ऊर्जा बचत के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में बांटा गया है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें 'समूह क' के अंतर्गत कक्षा 5वीं, 6ठी और 7वीं के छात्र तथा 'समूह ख' को 30,000 व रजत पदक, 9वीं और 10वीं के छात्र भाग ले सकते हैं। दोनों ही समूहों के लिए चित्रकला के मुख्य विषय 'स्कूल और घर पर ऊर्जा बचाएं' तथा 'ऊर्जा संरक्षण ऊर्जा सुरक्षा की कुंजी है' निर्धारित किए गए हैं। इस प्रतियोगिता के तहत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर दोनों समूहों के विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार एवं पदक प्रदान किए जाएंगे।

प्रवक्ता ने बताया कि राज्य स्तरीय स्पर्धा में प्रत्येक श्रेणी के प्रथम पुरस्कार विजेता को 50,000 व स्वर्ण पदक, द्वितीय पुरस्कार विजेता को 30,000 व रजत पदक, तृतीय पुरस्कार विजेता को 20,000 व कांस्य पदक तथा 10 प्रशंसा पुरस्कार विजेताओं को 7,500-7,500 की राशि दी जाएगी। वहीं, राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 1,00,000, एक लैपटॉप व स्वर्ण पदक; द्वितीय स्थान के लिए 50,000, एक लैपटॉप व रजत पदक; तृतीय स्थान के लिए 30,000, एक लैपटॉप व कांस्य पदक तथा 10 प्रशंसा पुरस्कार विजेताओं को 15,000-15,000 के साथ टैबलेट प्रदान किया जाएगा।

हरियाणा सरकार का बागवानी प्रशिक्षण संस्थान उचानी ला रहा अक्टूबर में 5-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार के बागवानी विभाग के अंतर्गत उद्यान प्रशिक्षण संस्थान, उचानी (करनाल) द्वारा अक्टूबर 2026 माह में विभिन्न बागवानी विषयों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हरियाणा राज्य के सभी जिलों के इच्छुक अभ्यर्थी उद्यान विभाग की आधिकारिक वेबसाइट kaushal.hortharyana.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए और अभ्यर्थियों का चयन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। पंजीकृत अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के लिए आते समय अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा पैन कार्ड साथ लाना अनिवार्य है।

योजना के तहत प्रशिक्षार्थियों को बस किराया डीबीटी (DBT) के माध्यम से प्रदान किया जाएगा, जबकि प्रशिक्षण के दौरान उनके ठहरने और खाने की व्यवस्था पूरी तरह से नि:शुल्क रहेगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व में इन विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है, वे पुनः उसी विषय के लिए पंजीकरण न करवाएं।

30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिक कराएं वार्षिक ब्लड प्रेशर जाच : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आज 'विषय हृदय दिवस' के अवसर पर राज्य के नागरिकों को दिल की सेहत के प्रति सतर्क और जागरूक रहने का आह्वान किया है। राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (NPNCD) और स्वास्थ्य विभाग हरियाणा के तहत जारी एक विषयक्रम-जागरूकता संदेश में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) हृदय रोगों का सबसे बड़ा और रोके जाने योग्य जोखिम कारक है, जिसे एक 'साइलेंट किलर' भी माना जाता है। इस खतरे से बचने के लिए 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार अपने ब्लड प्रेशर की जांच अवश्य करानी चाहिए।

महिला शक्ति को संगठन की ताकत बनाकर घर-घर पहुंचाएंगे सेवा और सुशासन का संदेश : नायब सैनी

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि माताएं-बहनें समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। वे परिवार के साथ आने वाली पीढ़ियों के संस्कार और भविष्य का निर्माण करती हैं। महिला शक्ति की सामाजिक और संगठनात्मक भागीदारी की और मजबूत करते हुए सेवा और सुशासन का संदेश घर-घर पहुंचाना भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद रूप कुमारी चौधरी ने नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष रिचा पाहवा को दायित्व ग्रहण करवाया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश महामंत्री के रूप में रिचा पाहवा का संगठनात्मक अनुभव नई जिम्मेदारी में उनकी ताकत बनेगा। महिला मोर्चा की भूमिका केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं, बल्कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का

- महिला मोर्चा की पहुंच हर चूल्हे और हर घर तक सुनिश्चित करें : डॉ. अर्चना गुप्ता**

लाभ पात्र महिलाओं तक पहुंचाना भी है। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा और राष्ट्रसेवा की यात्रा को कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया गया है। प्रदेश में 2.50 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और 6.30 लाख महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिला उद्यमिता, पिंग कैब और नमो ड्रोन दीदी जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि महिला मोर्चा की पहुंच हर चूल्हे और हर घर तक होनी

बिजली कर्मचारी पुनः संघर्ष की राहः 19 अक्टूबर को सीपीडीएल के खिलाफ होगा धरना व प्रदर्शन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। यूटी चंडीगढ़ को बिजली कर्मचारी चंडीगढ़ प्रशासन तथा सीपी डी एल मैनेजमेंट के खिलाफ पुनः सड़कों पर उतरकर चरणबद्ध तरीके से धरना-प्रदर्शन करेंगे। पहले चरण मे लड़ीवार रैलियां व धरना प्रदर्शन करने तथा 19 अक्टूबर को सेक्टर 17 स्थित बिजली कार्यालय के सामने विशाल धरना देने का ऐलान किया गया है ।

जिसका फैसला यूनियन की कार्यकारिणी की यूनियन के प्रधान अमरीक सिंह की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में लिया गया । मीटिंग में लम्बी विचार चर्चा के बाद चंडीगढ़ प्रशासन तथा सीपीडीएल मैनेजमेंट की तीखी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि एक तरफ चंडीगढ़ प्रशासन ने गैरकानूनी तौर पर एकतरफा व मनमानी पूर्ण तरीके से सरकारी कर्मचारियों को उनकी मर्जी के बिना वस्तु समझकर निजी कंपनी को बेच दिया तथा अपना पल्ला झाड़ लिया, व कर्मचारियों को उनके हाल पर छोड़ दिया । दूसरी तरफ कंपनी इन कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है तथा कर्मचारियों की समस्याओं व परेशानियों को हल करने की बजाय टरकाऊ रवैया अपना रही है। कर्मचारियों के काम की प्रकृति भी पूरी तरह बदली जा रही है, तथा उन्हें

हिसार में बरसाती मौसम में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जल्द तैयार होगी ड्रेनेज परियोजना : रणबीर गंगवा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने हिसार की अनाज मंडी में बरसाती मौसम के दौरान जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों को जल्द से जल्द जल निकासी की परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों, आदतियों और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से सुदृढ़ किया जाए। इस संबंध में पहले भी दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। बैठक में कैबिनेट मंत्री ने मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुरु गंभेश्वर विश्वविद्यालय के समीप ड्रेनेज अथवा ऋषि नगर के समीप ड्रेन से जल निकासी की परियोजना तैयार कर मुख्यालय भेजी जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना प्राप्त होने के बाद वे स्वयं उच्चाधिकारियों से बातचीत कर इसे मंजूर करवाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि परियोजना तैयार करने अथवा जल निकासी की व्यवस्था को बेहतर बनाने में जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की तकनीकी सहायता की आवश्यकता हो तो उनसे समन्वय स्थापित किया जाए।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स बदलाव की कहानियों को जन-जन तक पहुंचाएं : नायब सैनी

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं डिजिटल सामग्री निर्माताओं के दल को उत्तराखंड के लिए झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड में हरियाणा पहुंचे इन्फ्लुएंसर्स और हरियाणा से उत्तराखंड जा रहे सामग्री निर्माताओं से संवाद भी किया।

इन्फ्लुएंसर्स से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि



सेवा संकल्प अभियान के तहत दोनों राज्यों के इन्फ्लुएंसर्स को विकास कार्यों और उनसे लोगों के जीवन में आए बदलावों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया जनसंवाद का प्रभावी माध्यम बन चुका है। एक रील अथवा डिजिटल सामग्री लाखों लोगों तक पहुंचकर



चाहिए। महिला कार्यकर्ता परिवारों से सीधा संवाद स्थापित कर केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्ज्वला योजना, स्वच्छता अभियान, हर घर जल और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। हरियाणा में भी बेटियों के प्रति सोच बदली है और महिलाएं आज विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की दैनिक कठिनाइयों को समझते हुए हर घर शौचालय, जन धन खाता और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं का आत्मबल बढ़ाया है।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं पंजाब प्रभारी डॉ. सतीश पुनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति को राष्ट्र शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की लाडो लक्ष्मी योजना की चर्चा आज पूरे देश में हो रही है।

कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने तोशाम हलके में दी 25.34 करोड़ की सौगात

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने आज तोशाम विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में लगभग 25.34 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं में सड़क, खेल, सामुदायिक सुविधाओं तथा पशु चिकित्सा सेवाओं से संबंधित कार्य शामिल हैं।

श्रीमती श्रुति चौधरी ने तोशाम में 9.29 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली तोशाम बाईपास सड़क का शिलान्यास किया। ढाणी रिवसा में उन्होंने विधायक आदर्श नगर एवं ग्राम योजना (वीएनजीवाई) के तहत 21 लाख रुपये की लागत से निर्मित खेल

सरकार फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान अन्नदाताओं को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प : गौरव गौतम

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि सरकार फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान अन्नदाताओं को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि

अनाज मंडियों में किसानों को अपनी फसल बेचने के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी सुविधा एवं सम्मान सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अनाज

मंडी में पहुंचकर इलेक्ट्रॉनिक कांटे सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा फसल में नमी की जांच भी की। उन्होंने कहा कि फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों और आदतियों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम मंगलवार को पलवल अनाज मंडी का दौरा कर चालू फसल खरीद सीजन के तहत मंडी में किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा करने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने मंडी में फसल बिक्री के लिए पहुंचे किसानों से बातचीत कर खरीद प्रक्रिया के संबंध

में किसानों से अनाज मंडी में की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं के बारे फीडबैक भी लिया।

उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि किसान अपनी फसल को सुगमता से मंडी में बेच सकें और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिलें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनाज मंडी में आने वाले प्रत्येक किसान के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और फसल खरीद प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करवाया जाए। उन्होंने अनाज मंडी परिसर में किसानों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। किसानों ने मंडी में फसल खरीद, सुविधाओं और व्यवस्थाओं को लेकर अपनी बात राज्य मंत्री गौरव गौतम के समक्ष रखी। राज्य मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की माप-तोल से संबंधित समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

खेल राज्य मंत्री ने कहा कि मंडियों में फसल खरीद प्रक्रिया व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित होनी चाहिए। किसानों को गेट पास, फसल की खरीद, उठान, भुगतान सहित किसी भी प्रक्रिया में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

हिन्द जनपथ

खेल राज्य मंत्री ने कहा कि मंडियों में फसल खरीद प्रक्रिया व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित होनी चाहिए। किसानों को गेट पास, फसल की खरीद, उठान, भुगतान सहित किसी भी प्रक्रिया में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

हिन्द जनपथ

स्टेडियम के ट्रैक तथा जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) योजना के तहत 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित चौधरी सुरेंद्र सिंह स्टेडियम के मुख्य द्वार का लोकार्पण किया। धारण गांव में उन्होंने जिला खनिज फाउंडेशन योजना के तहत 15 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पिछड़ा वर्ग चौपाल का शिलान्यास किया।

निगाणा खुर्द में मंत्री ने हरियाणा ग्रामीण विकास निधि योजना के तहत 52 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन तथा निगाणा कला में 31.11 लाख रुपये की लागत से निर्मित राजकीय पशु चिकित्सा औषधालय का लोकार्पण किया।

बुसाना गांव में उन्होंने 7.71 करोड़ रुपये की लागत से बुसान से संडवा तक सड़क के चौड़ीकरण एवं

सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया।

छपार रांगड़ान में श्रीमती श्रुति चौधरी ने हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के तहत 10 लाख रुपये की लागत से मुख्य चौक से सरकारी स्कूल तक निर्मित गली का लोकार्पण किया। इसके साथ ही, उन्होंने 6.85 करोड़ रुपये की लागत से छपार रांगड़ान, जोगियां और गारनपुरा को जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को मजबूत करने के साथ-साथ खेल सुविधाओं, सामुदायिक बुनियादी ढांचे और पशु चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल की अध्यक्षता में हुई कार्य समिति की बैठक

ठोस कचरा प्रबंधन, चिल्ड्रन पार्क और डिजिटल लाइब्रेरी सहित विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित प्रस्तावों पर हुआ विचार-विमर्श

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ स्थित बैठक कार्यालय में कार्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न नगर निकायों में विकास एवं जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों के लिए टैंडर दरों की स्वीकृति से संबंधित प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में



अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक मीणा समेत अन्य अधिकारी व संबंधित नगर पालिका व निकायों के चेयरमैन भी मौजूद रहे ।

बैठक में नगर निगम हिसार, हांसी, बरवाला, उकलाना, नारनौद व सिवानी के लिए 3 साल की अवधि के

लिए ठोस कचरे के प्रबंधन से संबंधित प्रस्ताव पर विचार किया गया। इसके साथ ही नारायणगढ़ व नगर पालिका बराड़ा में ठोस कचरे के डोर टू डोर कलेक्शन से संबंधित कार्यों को भी बैठक के एजेंडे में शामिल किया गया। बैठक में दिव्य नगर योजना के तहत

खेल युवाओं को अनुशासन, संघर्ष और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने का अवसर देते हैं : राव नरबीर सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, संघर्ष और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने का अवसर देते हैं, युवाओं को नशे से दूर रखने का आसान और बेहतर विकल्प खेल ही है।

मंत्री राव नरबीर मंगलवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-16 स्थित क्रिकेट स्टेडियम में सातवें रामा अथ महिला टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने के बाद खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन सॉलियर्स महिला टीम और यूटी क्रिकेट एसोसिएशन, चंडीगढ़ की महिला टीम से परिचय प्राप्त किया तथा दोनों टीमों की खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने जे.पी. अत्रे मेमोरियल क्रिकेट सोसाइटी (रजिस्टर्ड), हरियाणा द्वारा पिछले करीब 30 वर्षों से क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई से संबद्ध राज्य टीमों के बीच अखिल भारतीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का लगातार आयोजन महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे आयोजन युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभाएं खेल कौशल प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध करते हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सोसाइटी द्वारा रवर्गीय जे.पी. अत्रे बॉक्सि पुरस्कार शुरू किया जाना भी सराहनीय पहल है। इसके माध्यम से प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के साथ-साथ अनुभवी खिलाड़ियों, कोच, खेल पत्रकारों और खेल माफदरशकों को सम्मानित करने तथा खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति एवं वित्तीय प्रोत्साहन देने का प्रयास किया जा रहा है।

परियोजनाओं को 'लैब से फील्ड और फील्ड से नीति' की अवधारणा के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में विकसित ज्ञान, तकनीक और नवाचार को वास्तविक परिस्थितियों में परखना तथा सफल परिणामों को सरकारी विभागों और आमजन के हित में उपयोगी बनाना है।

नवाचार योजना के तहत शोध परियोजनाओं को राज्य के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों और प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रोत्साहित किया जाएगा। इनमें विकसित हरियाणा@2047, सतत विकास लक्ष्य (SDGs), डिजिटल गवर्नेंस, हाई-टेक मैनुफैक्चरिंग, टिकाऊ कृषि, शहरी प्रबंधन तथा सामाजिक-आर्थिक समावेशन जैसे प्रमुख विषय शामिल होंगे। इसके साथ ही राज्य सरकार की आवश्यकताओं के अनुरूप नए एवं

उभरते विषयों पर भी शोध परियोजनाएं ली जा सकेंगी, ताकि बदलती प्रशासनिक, तकनीकी और सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप विशेषज्ञ ज्ञान एवं नवीन समाधान उपलब्ध हो सकें। नवाचार योजना के तहत हरियाणा में स्थित पात्र विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों को राज्य की प्राथमिकताओं के तहत शोध विषयों पर शोध परियोजनाएं प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। प्रारंभिक परीक्षण एवं मूल्यांकन के बाद चयनित प्रस्तावों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने के लिए 1 लाख रुपये तक की प्रारंभिक सीड फंडिंग उपलब्ध कराई जा सकेगी। इसके बाद संबंधित विभाग के समन्वय से तैयार DPR को परीक्षण के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक अंतिम वित्तीय स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।